कोटद्वार, रविवार
24 अगस्त 2025
वर्षः 47
अंकः 112 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

दीपक रावत हत्याकांडः 25 हजार का फरार इनामी गिरफ्तार

रुड़की। दीपक रावत हत्याकांड में फरार चल रहे 25 हजार के इनामी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पहले ही नाबालिग समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। मुख्य आरोपी राजा शर्मा अब भी फरार है। शेर सिंह चौक निवासी दीपक रावत 10 अगस्त को अचानक लापता हो गया था। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि दीपक को उसकी नाबालिग दोस्त अपने साथ मोदीपुरम ले गई थी। वहां उसने अपने प्रेमी राजा शर्मा और उसके साथियों के साथ मिलकर दीपक की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को गंगनहर में फेंककर सभी फरार हो गए। पुलिस ने अब तक इस मामले में नाबालिग लड़की और राजा शर्मा के साथी मोहिसन निवासी मुरादनगर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जांच में सामने आए एक अन्य आरोपी सोनू निवासी ग्राम व थाना विष्णुगढ़, जिला कन्नौज (उप्र) पर पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। शुक्रवार को पुलिस ने सोनू को भागीरथी रेगुलेटर फुल, थाना मुरादनगर, गाजियाबाद (उप्र) से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सोनू को रुड़की लाकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक आरके सकलानी ने बताया कि मुख्य आरोपी राजा शर्मा की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

बिजली गिरने से मकान गिरा, दंपती घायल

रुड़की। झबेरड़ा थाना क्षेत्र के मानकपुर आदमपुर में शुक्रवार रात को तेज बारिश के साथ बिजली कड़क रही थी। करीब तीन बजे ग्रामीण राजपाल के टिन वाले मकान पर बिजली गिर गई जिससे मकान धराशायी हो गया। मलबे में दबकर राजपाल और उनकी पत्नी केश-व देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने उनको मलबे से निकालकर एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया। बिजली गिरने का धमाका इतनी तेज हुआ कि पड़ोस के छह मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की जानकारी भगवानपुर उपजिला अधिकारी को दी गई। भगवानपुर उपजिला अधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी ने प्रशासनिक टीम को निरीक्षण के लिए गांव भेजा। टीम ने निरीक्षण कर पीड़ित परिवार को सहायता राशि का चेक सौंपा। वहीं छह पड़ोसियों के मकानों में भी काफी नुकसान पहुंचा है।

जौनपुर और थौलधार की 30 सड़कों के निर्माण को मिली मंजूरी

नई टिहरी। जौनपुर और थौलधार ब्लॉक में करीब 12 गांवों की सड़क से जुड़ने की उम्मीद जगी है। पीएमजीएसवाई खंड द्वितीय ने दोनों ब्लॉकों में 250 से अधिक आबादी वाले गांवों के लिए जो 30 सड़कों का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था। उनको मंजूरी मिल गई है। इससे विभाग ने निर्विवाद वाली सड़कों की डीपीआर बनानी शुरू कर ही है। जौनपुर और थौलधार ब्लॉक में 250 से अधिक आबादी वाले दर्जनों गांव सड़क से वंचित हैं जिससे लोग लगातार सड़क की मांग कर रहे हैं। पीएमजीएसवाई ने ऐसे गांवों का सर्वे कर जौनपुर की 23 और थौलधार ब्लॉक की सात सड़कों की सर्वे रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी थी। केंद्र सरकार से सभी 30 सड़कों के सर्वे प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। मापदंड सर्वे को स्वीकृति मिलने के बाद पीएमजीएसवाई ने सड़कों की डीपीआर बनानी शुरू कर दी है। पहले उन सड़कों की डीपीआर तैयार की जा रही है जिसमें कहीं कोई विवाद नहीं है। विभाग ने मसराना-किमोई करीब 5.25 किमी, धनोल्टी-दवाली मध्य आलू चक 14.90 किमी, गरखेत-द्वारगढ़ 3.80, मसोन बैंड-जैद्वार मल्ला 11.83 और नैनबाग घोड़ाखुरी-सनब मल्ला पांच किमी सड़क की डीपीआर केंद्र सरकार को भेज दी है। जौनपुर ब्लॉक की सड़कें भी हैं शामिलः मथलाऊ-गवाना 5.50 किमी, हटवाल गांव- कुडानी 7 किमी, आरकेके-ददक 7.50, पाली-दुधली सरतली 15, आरकेके-धनचुला 6 किमी, आरकेके-धौलागिरी 2.50, रगड़गांव-सेरा 9 किमी,पंतवाड़ी-नागटिब्बा 14, धनोल्टी लग्गा गोठ 12, स्यालसी-गोरन 5 किमी, सुवाखोली अलमस थत्यूड़-फेरी किमोरा 3 किमी, सत्यों-सेमवाल गांव 4 किमी, घेना-ताल 8, बडेथी बनचौरा-म्याणी 4.50 किमी, अग्यारना-कोल्टी 13.50किमी।

थराली में फटा बादल, एक युवती की मौत, एक व्यक्ति लापता

डीएम ने किया आपदा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण, लोगों से की सुरक्षित स्थान पर रहने की अपील

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार थराली क्षेत्र में आपदा राहत कार्य तेज गति से चल रहे हैं। जिला प्रशासन के साथ ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी और एसएसबी द्वारा संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मलबे की चपेट में आने से एक युवती की मौत हो गई है, जबकि एक व्यक्ति लापता है, जिसकी खोजबीन प्रशासन द्वारा की जा रही है। जिला प्रशासन राहत व बचाव कार्य में जुटा है।

बीती शुक्रवार रात तहसील थराली के अन्तर्गत टुनरी गदेरे में बादल फटने के कारण पानी बढ़ने के कारण तहसील परिसर, चेपड़ो बाजार, कोटदीप बाजार और कुछ घरों में 1 से 2 फीट मलबा घुस गया और कुछ वाहन भी मलबे में दब गये है। रा.उ.नि. थराली ने बताया कि ग्राम संगवाड़ा में एक मकान में मलबा आने के कारण एक लड़की मलबे में दब गयी थी, जिसके शव को डीडीआरएफ थराली के जवानों द्वारा रेस्क्यू किया गया। इसके अलावा अतिवृष्टि के कारण ग्राम चेपड़ो में एक व्यक्ति लापता है, जिसकी खोजबीन प्रशासन द्वारा की जा रही है।

जिला प्रशासन राहत व बचाव कार्य में जुटा है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी स्वयं मौके पर मौजूद रहकर राहत-बचाव कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस बल की टीमें राहत बचाव का कार्य कर रही हैं। शनिवार को मौके पर जिला प्रशासन, तहसील प्रशासन, पुलिस विभाग, डीडीआरएफ के 07 जवान, एनडीआरएफ के 27 जवान, एसडीआरएफ के 12 जवान, एसएसबी ग्वालदम के 12 जवान, बीआरओ, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभागीय अधिकारियों की तैनाती कर दी गयी है। जिलाधिकारी ने बताया मौके पर जेसीबी मशीन, रस्सी, वुड कटर, स्ट्रैचर और अन्य आवश्यक वस्तुएं आपदा स्थल पर भेज दी गयीं हैं। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे सुरक्षित स्थानों पर रहें और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन से संपर्क करें।

स्वास्थ्य विभाग की टीम तैनात, दो रिलीफ सेंटर बनाएं

जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से 4 चिकित्साधिकारी, 06 स्टॉफ नर्स, 1 फार्मासिस्ट, 1 ड्राइवर मय एम्बुलेंस जीवन रक्षक औषधि सहित एलर्ट मोड पर है, इसके अतिरिक्त दो 108 एम्बुलेंस एवं 2 विशेषज्ञ चिकित्साधिकारी की टीम एसडीएच कर्णप्रयाग में तैनात कर दी गयी है। अतिरिक्त 02 चिकित्साधिकारी पीएचसी देवाल से भी तैनाती की गयी है। उन्होंने बताया कि राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज और शहीद भवानीदत इंटर कॉलेज चेपड़ो में रिलीफ सेंटर बनाया गया है। साथ ही लोगों को रिलीफ सेंटर तक लाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की गयी है।

थराली की घटना पर महाराज ने जताया दुख

देहरादून। चमोली जिले के थराली में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने बादल फटने की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए दुख जताया है। उन्होंने कहा कि जनपद चमोली के थराली क्षेत्र में देर रात बादल फटने की दु:खद सूचना प्राप्त हुई है। जिला प्रशासन, एसडीआरएफ, पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि 20 से 25 भवनों को मलबे से नुकसान पहुंचा है, जिनमें दो मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गए। इस हादसे में एक महिला का शव बरामद हुआ है, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है। आपदा में पाँच लोग घायल हुए हैं। जिन्हें एयरलिफ्ट कर हायर सेंटर भेजने की कोशिश की जा रही है, लेकिन खराब मौसम राहत–बचाव कार्य में बड़ी बाधा बन रहा है। सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है।प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार थराली क्षेत्र में आपदा राहत कार्य तेज से चल रहे हैं। जिला प्रशासन के साथ ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी और एसएसबी द्वारा संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घायलों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया है।

राहतः उत्तरकाशी के स्यानाचट्टी में बनी झील का मुहाना खुला

उत्तरकाशी।स्यानाचट्टी में बृहस्पतिवार देर रात को हुई बारिश के कारण कुपड़ा खड्ड में मलबा बोल्डर आने के कारण यमुना नदी में बनी झील का जलस्तर बढ़ने के कारण झील बन गई थी। जिसके बाद शुक्रवार को प्रशासन ने झील के मुहाने को खोलने के लिए ब्लास्टिंग की। प्रशासनिक टीम ने डीएम प्रशांत आर्य के नेतृत्व में वहां पर आपसी सुझाव के बाद ब्लास्टिंग का उपाय तैयार किया। वहां ब्लास्टिंग इस तरह की गई, जिससे कि आसपास की पहाड़ियों पर भी कंपन न हो, ब्लास्टिंग के बाद यमुना नदी में बनी झील से थोड़ा पानी का रिसाव शुरु हुआ, लेकिन उसका अधिक लाभ नहीं हो पाया। झील से महज एक फीट पानी कम होने और मौसम साफ होने के कारण जलस्तर न बढ़ने पर स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। शनिवार को झील का स्तर कम होने से वहां पर होटल और आवासीय भवन में अभी भी लोगों के घर रेत से भरा हुआ है। जिससे लोगों का समान खराब हो गया है। यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल ने बताया मां यमुना की कृपा से झील का स्तर कम हो गया है। प्रशासन की टीम झील खोलने में लगी हुई है। उन्होंने कहा इस संबंध में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर स्थिति के बारे में बताया जावेगा। साथ ही प्रभावितों के लिए मुआवजे की मांग की जाएगी। बता दें यमुनोत्री हाईवे पर स्थित स्यानाचट्टी में यमुना नदी पर बनी झील से यमुनोत्री धाम समेत गीठ पट्टी के 12 गांवों के करीब 8000 ग्रामीणों का तहसील मुख्यालय से संपर्क कट गये थे, स्यानाचट्टी में यमुना नदी पर बनी झील के कारण मोटर पुल और कुछ सड़क का हिस्सा जलमग्न होने से क्षेत्र की आवाजाही बंद हो गई थी। झील के कारण 3 सरकारी विभागों समेत 32 होटल, आवासीय भवन, ढाबे प्रभावित हुए। इस चट्टी में विभिन्न व्यवसायों से करीब 60 परिवारों की आजीविका से जुड़ी हुई है।

ई–रिक्शा चालक की हत्या के मामले में तीन को फांसी और दो को उम्रकैद की सजा

– पत्नी और उसके प्रेमी ने दो लाख रुपये की सुपारी देकर करवाई थी हत्या

देहरादून। तीन वर्ष पहले सिर कुचलकर की गई ई–रिक्शा चालक की हत्या के मामले में अदालत ने पांच आरोपितों को दोषी करार देकर तीन को फांसी और दो को उम्रकैद की सजा सुनाई है। ई–रिक्शा चालक की पत्नी और उसके प्रेमी ने दो लाख रुपये की सुपारी देकर हत्या करवाई थी। इसके लिए तीन बदमाश उत्तर प्रदेश के बागपत से बुलाए गए थे। शासकीय अधिवक्ता अरविंद कपिल के अनुसार 30 नवंबर 2022 को गुच्चूपानी पिकनिक स्पाट की पार्किंग के निकट एक व्यक्ति का शव मिला था। मृतक की पहचान मोहसिन निवासी तेलपुर मेहूंवाला के रूप में हुई थी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और काल डिटेल खंगाली तो पता चला कि 28 नवंबर को मोहसिन के मोबाइल पर एक संदिग्ध नंबर से पांच बार काल की गई थी। यह नंबर अरशद निवासी निरौजपुर, गुर्जर, बागपत (उत्तर प्रदेश) का निकला। पुलिस ने मोबाइल नंबर की लोकेशन के आधार पर उसे बल्लूपुर चौक से गिरफ्तार कर लिया। अरशद ने पूछताछ में बताया कि तेलपुर चौक मेहूंवाला निवासी साबिर अली ने मोहसिन की हत्या के लिए अपने दोस्त ईस खान के माध्यम दो लाख की सुपारी दी थी। इसमें शाहरुख निवासी ग्राम कंडेरा, रमाला, जिला बागपत और रवि कश्यप निवासी किशनपुर, बराला, रमाला, जिला बागपत उत्तर प्रदेश भी शामिल रहे। अरशद के अनुसार, साबिर अली के मोहसिन की पत्नी शीबा के साथ अवैध संबंध थे। इस मामले में पुलिस ने साबिर अली, मोहसिन की पत्नी शीबा उर्फ सीमा, शाहरुख, रवि अैर रईस खान को गिरफ्तार कर लिया। केस अतिरिक्त सेशन जज प्रथम महेश चंद्र कुशवाहा की अदालत में चला। अदालत ने अरशद, शाहरुख और रवि कश्यप को फांसी और हत्या का षड़यंत्र रचने के दोषी साबिर अली व उसके दोस्त ईस खान को उम्रकैद की सजा सुनाई। पांचों को 25–25 हजार रुपये जुर्माने की सजा भी सुनाई गई। इस मामले में मृतक की पत्नी शीबा को संदेह का लाभ प्रदान करते हुए बरी कर दिया गया। अदालत ने साबीर अली और ईस खान को तीन माह के अंदर मृतक के बच्चों को एक लाख रुपये क्षतिपूर्ति के रूप में देने के भी आदेश जारी किए हैं। अदालत ने इस केस को दुर्लभ में दुर्लभतम माना है, क्योंकि ई–रिक्शा चालक मोहसिन ने उन पर विश्वास किया था और दोषियों ने विश्वासघात करते हुए बेरहमी से उसे मौत के घाट उतार दिया।

त्रिवेणी घाट पर लाउडस्पीकर से किया अलर्ट

देहरादून। उत्तराखंड में भारी बारिश ने तबाही मचाई हुई है। बारिश के चलते नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया, जिस कारण लोगों में दहशत है। लगातार बारिश से देवप्रयाग में अलकनंदा उफान पर आ गई। गंगा का जल स्तर भी यहां चेतावनी के निशान तक पहुंच गया। वहीं अलकनंदा टोडेश्वर टापू पार गई। शनिवार को यहां अलकनंदा का जल स्तर तेजी से बढ़ गया। केंद्रीय जल आयोग के सूत्रों के अनुसार अलकनंदा बीती रात 460 मीटर पर बह रही थी। शनिवार सुबह में इसका जल स्तर चेतावनी के निशान 463 मीटर तक पहुँच गया। इसके चलते गंगा भी यहां चेतावनी के निशान पर बह रही है। तेजी से बढ़े जल स्तर से यहां मुख्य संगम घाट, रामकुंड,फुलाडी घाट पूरी तरह डूब गए। वहीं अलकनंदा के तेज प्रवाह ने भागीरथी को रोक दिया जिससे इसका जल स्तर भी बढ़ गया। अलकनंदा, भागीरथी व गंगा के स्नान घाटों के डूबने के बाद भ तीर्थ यात्रियों और स्थानीय लोग नदी के बढ़ते जल स्तर के बीच शनि अमावस्या पर तर्पण का कार्य कर रहे है।

टैरिफ वॉर के बीच पीएम मोदी की चीन यात्रा अहम, लेंगे एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अगस्त से जापान और चीन की यात्रा पर जाएंगे. पीएम मोदी पहले जापान जाएंगे इसके बाद चीन की यात्रा पर निकलेंगे. अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारत पर भारी भरकम 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद उनकी यह यात्रा काफी अहम मानी जा रही है. विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी की यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जापान के पीएम शिगेरु इशिबा के निमंत्रण पर पीएम मोदी 15वें भारत–जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जा रहे हैं. पीएम मोदी 29 और 30 अगस्त को जापान में रहेंगे. जापान के पीएम शिगेरु इशिबा के साथ पीएम मोदी की पहली शिखर वार्ता होगी हालांकि वह इससे पहले 8 बार जापान की यात्रा कर चुके हैं.

इस यात्रा के दौरान दोनों नेता भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी की समीक्षा करेंगे. इसमें रक्षा एवं सुरक्षा, व्यापार एवं अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार तथा लोगों के बीच आदान–प्रदान शामिल होंगे. वे क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे. विदेश मंत्रालय के अनुसार उनकी इस यात्रा से दोनों देशों के संबंध और मधुर होंगे.

प्रधानमंत्री अपनी यात्रा के दूसरे चरण में चीन जाएंगे. वह 31 अगस्त और एक सितंबर को चीन रहेंगे. वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर जा रहे हैं. पीएम मोदी अपनी इस यात्रा के दौरान तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे. शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री के शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है.

इस सप्ताह की शुरुआत में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग का संदेश और शिखर सम्मेलन को लेकर उनकी ओर से निमंत्रण दिया. चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन का आयोजन होने वाला है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य एवं चीन के विदेश मंत्री वांग यी का स्वागत किया.

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'वांग यी ने प्रधानमंत्री को तियानजिन में आयोजित होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति शी का संदेश और निमंत्रण सौंपा. उन्होंने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की. उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान एनएसए अजीत डोभाल के साथ भी बातचीत की.

मुख्यमंत्री योगी का ऐलान, न्यायिक सेवा संघ के लिए दिया जाएगा 50 करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड

लखनऊ,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुशासन का लक्ष्य तभी प्राप्त हो सकता है, जब हमारी न्यायिक व्यवस्था सुगम, त्वरित और सुलभ हो। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए विकसित उत्तर प्रदेश का निर्माण आवश्यक है और इसके लिए एक मजबूत और त्वरित न्यायिक व्यवस्था अनिवार्य है। मुख्यमंत्री योगी शनिवार को उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। लखनऊ में आयोजित इस भव्य सम्मेलन में सीएम योगी ने न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए न्यायपालिका को सुशासन का रक्षक बताया और कहा कि इसके सुदृढ़ीकरण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर सीएम ने संघ की स्मारिका का अनावरण भी किया। इस दौरान सीएम योगी ने न्यायिक सेवा संघ के लिए 50 करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें अधिवेशन को 'न्यायिक अधिकारियों का महाकुंभ' बताते हुए कहा कि यह आयोजन न केवल एकता और परस्पर सहयोग का प्रतीक है, बल्कि व्यावसायिक दक्षता और बेस्ट प्रैक्टिस को बढ़ावा देने का भी मंच है। सीएम ने इस अवसर पर सभी उपस्थित न्यायमूर्तियों, अवकाश प्राप्त न्यायमूर्तियों और प्रदेश भर से आए न्यायिक अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह अधिवेशन ऐसे समय में आयोजित हुआ, जब भारत अपने संविधान के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रवेश कर चुका है। सीएम ने कहा कि संविधान की मूल थीम 'न्याय, स्वतंत्रता और बंधुताज्ञ इस आयोजन का आधार है।

उन्होंने प्रयागराज के महाकुंभ का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तरह महाकुंभ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, उसी तरह यह अधिवेशन न्यायिक अधिकारियों की एकता और उनकी पेशेवर दक्षता को प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री ने गर्व के साथ कहा कि उत्तर प्रदेश में देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय मौजूद है। प्रयागराज में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ और लखनऊमें इसकी बेंच प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह न केवल हमारे लिए, बल्कि देश और दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश की छवि को विश्वास के रूप में प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि 102 वर्षों के अपने इस इतिहास में उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं और मुझे विश्वास है कि यहां मौजूद सभी न्यायिक अधिकारी न केवल न्यायिक सेवा से जुड़े हुए हैं बल्कि परस्पर सहयोग, एकता और व्यावसायिक दक्षता का भी एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करने में सफल होंगे। सीएम योगी ने जोर देकर कहा कि सुशासन का लक्ष्य तभी प्राप्त हो सकता है, जब न्यायिक व्यवस्था समयबद्ध, सस्ती और सुलभ हो। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में जनपद और ट्रायल कोर्ट में 72 लाख मामलों का निस्तारण हुआ, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

पटना में टैंकर और टेम्पो की भिड़ंत में 8 लोगों की मौत, 4 अन्य घायल

पटना, बिहार की राजधानी पटना के शाहजहांपुर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह टैंकर और टेम्पो की भिड़ंत में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और शवों को मुर्दाघर में रखवा दिया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद पटना रैफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना कर दी है। उनके आने के बाद पोस्टमार्टम की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

पटना ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) विक्रम सिहांग ने बताया कि टेम्पो सवार नालंदा जिले के मलावा गांव निवासी 12 लोग फतुहा में गंगा स्नान कर वापस लौट रहे थे। अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री के पास तेज रफ्तार टैंकर ने टेम्पो को टक्कर मार दी। इसमें संजू देवी (60), दीपिका पासवान (35), कुसुम देवी (48), चंदन कुमार (30), कंचन पांडेय (34) समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। एसपी सिहांग ने बताया कि पुलिस आस–पास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर आरोपी टैंकर चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है। टैंकर नंबर के आधार पर मालिक का भी पता लगाया लिया जाएगा। इस संबंध में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि हादसे में टेम्पो के परखच्चे उड़ गए।

पाकिस्तानी विमानों के लिए 24 सितंबर तक बंद रहेगा भारतीय हवाई क्षेत्र

सरकार ने बढ़ाया समय

नईदिल्ली, जम्मू–कश्मीर में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से पाकिस्तानी विमानों के लिए बंद किए गए अपने हवाई क्षेत्र की अवधि को सरकार ने और आगे बढ़ा दिया है। भारत की ओर से जारी नोटिस टू एयरमेन के अनुसार, अब पाकिस्तानी विमान 24 सितंबर तक भारतीय हवाई क्षेत्र में दाखिल नहीं हो सकेंगे। इससे पहले पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए 24 अगस्त तक अपना हवाई क्षेत्र बंद किया था। भारत सरकार की ओर से 22 अगस्त को जारी नोटम के अनुसार, भारतीय हवाई क्षेत्र पाकिस्तान में पंजीकृत विमानों और सैन्य उड़ानों सहित पाकिस्तानी एयरलाइंस/ऑपरेटरों द्वारा संचालित/स्वामित्व वाले या पट्टे पर लिए गए विमानों के लिए भारतीय समयानुसार 24 सितम्बर को सुबह 05:30 बजे उपलब्ध नहीं होगा। बता दें कि भारत ने पहली बार 30 अप्रैल को पाकिस्तानी विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने की घोषणा की थी। उसके बाद से इसे लगातार बढ़ाया जा रहा है।

ईडी ने अवैध सट्टेबाजी मामले में कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र को गिरफ्तार किया

–रेड में मिले नोटों के ढेर, 12 करोड़ कैश, करोड़ों की ज्वैलरी जब्त

नईदिल्ली,ऑनलाइन गेमिंग विधेयक के संसद में पास होते ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 22 और 23 अगस्त को देशभर में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध सट्टेबाजी और ऑनलाइन गेमिंग के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया। यह मामला कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले से कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र और उनके करीबियों से जुड़ा हुआ है। ईडी ने इस मामले में विधायक वीरेंद्र को सिक्किम की राजधानी गंगटोक से गिरफ्तार किया है और उनसे पूछताछ जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, ईडी की टीमों ने गंगटोक, चित्रदुर्ग, बेंगलुरु, हुबली, जोधपुर, मुंबई और गोवा में कुल 31 जगहों पर एकसाथ छापेमारी की। जांच में सामने आया है कि विधायक वीरेंद्र किंग567 और राजा567 जैसे कई ऑनलाइन सट्टेबाजी वेबसाइटों का संचालन कर मोटा पैसा कमा रहे थे। ईडी ने छापेमारी के दौरान करीब 12 करोड़ रुपये की नकदी, 1 करोड़ रुपये विदेशी मुद्रा, लगभग 6 करोड़ रुपये मूल्य का सोना, 10 किलो चांदी और चार लग्जरी गाड़ियां बरामद की है। इसके अलावा 17 बैंक खाते और 2 लॉकर भी फ्रीज किए हैं। ईडी को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और सबूत भी मिले हैं, जिनसे यह साफ हुआ है कि अवैध कमाई को अलग–अलग तरीकों से सफेद दिखाने की कोशिश की जा रही थी। गोवा में भी ईडी ने पपीज कैसिनो गोल्ड, ओशन रिवर्स कैसिनो, पपीज कैसिनो प्राइड, ओशन 7 कैसिनो और बिग डैडी कैसिनो पर छापा मारकर तलाशी ली।

गणपति उत्सव को देखते हुए रेलवे ने कसी कमर

मुंबई, भारतीय रेलवे ने 2025 के लिए 380 गणपति स्पेशल ट्रेन यात्राओं की घोषणा की है. ये अब तक की सबसे अधिक है. इससे त्योहारी सीजन के दौरान भक्तों और यात्रियों के लिए सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित होगी. 2023 में कुल 305 गणपति स्पेशल ट्रेनें चलाई गई जबकि 2024 में यह संख्या बढ़कर 358 हो गई. महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्र में त्योहारों के दौरान यात्रा की भारी मॉंग को पूरा करते हुए मध्य रेलवे सबसे अधिक 296 ट्रेनें चलाएगा. पश्चिम रेलवे 56 गणपति स्पेशल ट्रेनें, कोंकण रेलवे (केआरसीएल) 6 और दक्षिण पश्चिम रेलवे 22 ट्रेनें चलाएगा. कोंकण रेलवे पर चलने वाली गणपति स्पेशल ट्रेनों के ठहराव की योजना कोलाड, इंदापुर, मानगांव, गोरेगांव रोड, वीर, सापे वामने, करंजडी, विन्हेरे, दीवानखावटी, कलांबनी बुद्रुक, खेड़, अंजनी, चिपलुन, कामथे, सावरदा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अदावली, विलावडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव रोड, कंकावली, सिंधुदुर्ग में बनाई गई है.इसके साथ ही कुडाल, जराप, सावंतवाड़ी रोड, मद्गुरे, थिविम, करमाली, मडगांव जंक्शन, कारवार, गोकामा रोड, कुमता, मुर्देश्वर, मूकाम्बिका रोड, कुंडापुरा, उडुपी, मुल्की और सुरथकल भी शामिल है.

बाइक–कार मालिकों को बड़ा झटका

सरकार ने रिन्यूअल चार्ज दोगुना किया, 10000 रुपये लगेगा शुल्क

नई दिल्ली,केंद्र सरकार ने पुराने वाहनों के पंजीकरण नवीनीकरण शुल्क में वृद्धि की है. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 20 साल से ज्यादा पुराने वाहनों के पंजीकरण नवीनीकरण शुल्क को दो गुना कर दिया गया है. बताया गया है कि इस कदम का उद्देश्य लोगों को पुराने वाहन खरीदने से हतोत्साहित करना है.

नए नियम के अनुसार, 20 साल से ज्यादा पुराने हल्के मोटर वाहन के लिए अब नवीनीकरण शुल्क 5,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है. इसी तरह 20 साल से ज्यादा पुरानी मोटरसाइकिलों के लिए नवीनीकरण शुल्क 1,000 से बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दिया गया. तिपहिया और क्वाड्रिसाइकिल के लिए नवीनीकरण शुल्क 3,500 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये कर दिया गया है. विदेश से आयात किए किए वाहन की बात करें तो दोपहिया या तिपहिया वाहन के लिए नवीनीकरण शुल्क 20,000 रुपये निर्धारित किया गया है. इसी तरह, चार या अधिक पहियों वाले वाहनों के लिए नवीनीकरण शुल्क 80,000 रुपये कर दिया गया है. मंत्रालय ने इन बदलावों के लिए संशोधन का मसौदा फरवरी में जारी किया गया था और 21 अगस्त को इसे अंतिम रूप दिया गया. इससे पहले अक्टूबर 2021 में, सड़क परिवहन मंत्रालय ने मोटरसाइकिल, तिपहिया वाहनों और कारों के लिए पंजीकरण और नवीनीकरण शुल्क में इजाफा किया था.

अपनी लक्जरी ब्रांड वाली सैंडल की ऐसे करें देखभाल, लंबे समय तक रहेंगी नए जैसी

महिलाओं को महंगे और लक्जरी ब्रांड वाली सैंडल खरीदने का शौक होता है। ये सैंडल डिजाइनर होती हैं, जिन्हें उच्च गुणवत्ता वाले सामान का इस्तेमाल करके तैयार किया जाता है। इनकी कीमत लाखों में होती है, जिस कारण इन्हें अच्छी तरह से रखना और इनकी सही देखभाल करना जरूरी हो जाता है। आज के फैशन टिप्स में हम आपको लक्जरी ब्रांड वाली सैंडल की देखभाल करने के तरीके बताएंगे, जिनकी मदद से वे नए जैसी बनी रहेंगी।

अच्छी तरह साफ करें

जाहिर सी बात है कि जब आप सैंडल पहनेंगी तो उनमें धूल–मिट्टी और गंदगी तो लगेगी ही। ऐसे में आपको उन्हें रखने से पहले अच्छी तरह साफ कर लेना चाहिए। नियमित रूप से उन्हें साफ करने से वे लंबे समय तक चलेंगी और नई नजर आएंगी। इसके लिए एक साफ और मुलायम कॉटन के कपड़े से सैंडल को रगड़ें। आप कपड़े पर सैंडल और जूते साफ करने वाली क्रीम या अन्य पदार्थ भी लगा सकती हैं।

समय–समय पर ठीक करवाती रहें

कई बार ऐसा होता है की सैंडल का निचला हिस्सा या हील घिसने के कारण कमजोर हो जाती हैं। इससे उनके टूटने या खराब होने का खतरा रहता है। यह ज्यादातर उन सैंडल के साथ होता है, जिन्हें ज्यादा पहना जाता है। अगर आपको ऐसा लगे कि आपकी सैंडल खराब हो रही हैं तो तुरंत पेशेवर के पास जा कर उन्हें ठीक करवा लें। इससे उनका जीवन बढ़ जाएगा, यानि कि वे लंबे समय तक इस्तेमाल करने लायक रहेंगी।

ठीक तरह से रखें

सैंडल को नए जैसा बनाए रखने के लिए उन्हें सही तरह से स्टोर करना भी बेहद जरूरी होता है। अगर आप किसी भी स्थान पर अपनी लक्जरी सैंडल को बिना सोचे समझे रख देती हैं तो वे जल्दी खराब हो जाएंगी। उन्हें किसी अलमारी में व्यवस्थित तरीके से रखें, जो अच्छी तरह साफ की गई हो। ध्यान रखें कि अलमारी में ज्यादा नमी न हो और समय–समय पर उसे खोल भी दें, ताकि हवा उसमें प्रवेश करती रहे।

बदल–बदलकर पहनें

लक्जरी सैंडल अन्य सैंडल की तुलना में ज्यादा महंगी होती हैं। ऐसे में आपको उन्हें रोजाना नहीं पहनना चाहिए। इससे उनके टूटने या खराब होने का खतरा रहता है। उन्हें केवल खास मौकों और पार्टी आदि में ही पहनें और अन्य दिनों के लिए सस्ती और टिकाऊ सैंडल चुनें। अगर आपके पास कई लक्जरी सैंडल हैं तो उन्हें बदल–बदलकर पहनें, ताकि कोई एक सैंडल ही ज्यादा इस्तेमाल न हो। इससे उन्हें अच्छी गुणवत्ता में रखना संभव हो सकेगा।

शू ट्री का इस्तेमाल करें

शू ट्री एक उपकरण होता है, जो आमतौर पर लकड़ी से बना होता है। इसे जूते या सैंडल के अंदर रखा जाता है, ताकि उनका आकार बना रहे। आप अपनी लक्जरी सैंडल के अंदर अच्छी गुणवत्ता वाली शू ट्री लगा सकती हैं। इससे जब आप उन्हें पहन नहीं रही होंगी तब भी उनका आकार नहीं बदलेगा। यह उपकरण नमी सोखने के लिए डिजाइन किया जाता है, जिससे सैंडल लंबे समय तक चलती हैं।

याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकती हैं ये 5 जड़ी–बूटियां, जानिए इनके फायदे

याददाश्त को बढ़ाने के लिए कई उपाय मौजूद हैं, लेकिन प्राकृतिक उपाय सबसे सुरक्षित और असरदार होते हैं। कुछ जड़ी–बूटियां विशेष रूप से याददाश्त को मजबूत करने में मदद कर सकती हैं। इन जड़ी–बूटियों में गोटू कोला, लेमन बाम, जिनसेंग, गिंको बिलोबा और अश्वगंधा शामिल हैं। ये सभी जड़ी–बूटियां न केवल याददाश्त को बढ़ाने में मदद करती हैं, बल्कि मानसिक सेहत को भी सुधारती हैं। आइए इनके फायदे जानते हैं।

गोटू कोला

गोटू कोला एक ऐसी जड़ी–बूटी है, जो दिमाग के कामकाज को सुधारने में मदद कर सकती है। यह जड़ी–बूटी विशेष तत्वों से भरपूर होती है, जो दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक तत्वों से लड़ती है। इसके अलावा यह खून के प्रवाह को बेहतर बनाकर दिमाग तक ऑक्सीजन पहुंचाती है, जिससे याददाश्त बढ़ती है। गोटू कोला का सेवन करने से मानसिक थकान भी दूर होती है और दिमाग की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

लेमन बाम

लेमन बाम एक सुगंधित जड़ी–बूटी है, जिसका उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में लंबे समय से किया जा रहा है। यह जड़ी–बूटी तनाव और चिंता को कम करने में मदद करती है, जिससे दिमाग को आराम मिलता है और याददाश्त बेहतर होती है। लेमन बाम का सेवन करने से नींद भी अच्छी आती है, जिससे मानसिक थकान दूर होती है और याददाश्त मजबूत होती है। इसके अलावा यह जड़ी–बूटी पाचन क्रिया को भी सुधारती है।

जिनसेंग

जिनसेंग को ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। यह तनाव को कम करने और मानसिक स्पष्टता बढ़ाने में सहायक होता है। जिनसेंग का नियमित सेवन करने से थकान दूर होती है और मानसिक थकान कम होती है। जिनसेंग रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करता है और शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है। यह जड़ी–बूटी तंत्रिका तंत्र को भी मजबूत बनाती है, जिससे याददाश्त बेहतर होती है और दिमाग की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

गिंको बिलोबा

गिंको बिलोबा एक प्राचीन चीनी औषधि है, जिसका उपयोग याददाश्त सुधारने के लिए किया जाता है। इसमें विशेष तत्व होते हैं, जो दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक तत्वों से लड़ते हैं। गिंको बिलोबा खून के प्रवाह को बेहतर बनाता है, जिससे दिमाग तक ऑक्सीजन पहुंचती है, जिससे याददाश्त बढ़ती है। इसके अलावा यह मानसिक स्पष्टता बढ़ाता है और तनाव को कम करता है। गिंको बिलोबा का नियमित सेवन करने से मानसिक थकान भी दूर होती है।

अश्वगंधा

अश्वगंधा एक प्रसिद्ध आयुर्वेदिक जड़ी–बूटी है, जो तनाव को कम करके मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। यह विशेष तत्वों से भरपूर होती है, जो दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक तत्वों से लड़ती है।अश्वगंधा का नियमित सेवन करने से तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है,

राजनीतिक आजादी छीनना बहुत आसान

मनुष्य आजाद पैदा होता है और उसके मौलिक अधिकार, जिसमें खाने पीने की आजादी, पहनावे की आजादी, अपने मूल्यों के साथ जीवन जीने की आजादी आदि शामिल हैं, उसको स्वाभाविक रूप से मिलते हैं। लेकिन आजादी के 78 साल बाद यह स्थिति है कि कहीं खान पान की आजादी को नियंत्रित किया जा रहा है, कहीं पहनावे पर पाबंदी लगाई जा रही है, कहीं भाषा बोली को नियंत्रित किया जा रहा तो कहीं शादी की उम्र और पसंद को लेकर लोगों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इस बुनियादी बात को ही भुला दिया गया है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सिर्फ बोलने की आजादी नहीं है, बल्कि अपनी पसंद का जीवन जीने की आजादी है। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि नागरिकों की मौन या मुखर सहमति और नागरिक समाज की भागीदारी के बगैर लोकतंत्र और आजादी पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता है और न उसे सीमित किया जा सकता है। इंदिरा गांधी के प्रयास को इस देश के नागरिकों ने असफल बनाया था। मगर आज स्थितियां बदल गई हैं।

अजीत द्विवेदी

लोकतंत्र और आजादी सुनिश्चित करने के तमाम आधुनिक उपकरणों, जैसे संविधान आधारित शासन व्यवस्था, न्यायपालिका, मीडिया, तकनीक, नागरिक समाज आदि ने सचमुच लोकतंत्र और आजादी की रक्षा की है या इनके उत्तरोत्तर क्षरण का रास्ता बनाया है? यह एक जटिल सवाल है। एक समय 18वीं सदी के मध्य में महान दार्शनिक ज्यां जॉक रूसो के सामने सवाल था कि आधुनिक विज्ञान और कलाओं ने मनुष्य को बेहतर बनाया है या नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है? रूसो का जवाब था कि आधुनिक कला और विज्ञान ने मनुष्य को नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है। रूसो के निष्कर्ष के पौने तीन सौ साल और भारत की आजादी के 78 साल बाद कम से कम भारत के संदर्भ में कहा जा सकता है कि तमाम आधुनिक उपकरणों ने लोकतंत्र और आजादी को सीमित किया है या सीमित करने का प्रयास किया है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि देश के नागरिक भी किसी सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक दबाव में आजादी को सीमित करने के प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं या उसमें सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। एक तरफ सरकारें वाक व अभिव्यक्ति की आजादी को नियंत्रित करने के नए कानून ला रही हैं और संप्रेषण के नए माध्यमों को भी सत्ता तंत्र की मदद से नियंत्रित किया जा रहा है तो दूसरी ओर नागरिक समाज स्वेच्छा से अपनी आजादी गंवाने की प्रक्रिया में शामिल हो रहा है।

अगर नागरिक समाज अपने अधिकारों और अपनी आजादी के प्रति सजग रहे तो वह सरकारी दमन का सफल प्रतिरोध कर सकता है। लेकिन मुश्किल यह है कि नागरिक समाज ही अपनी आजादी गंवाने में प्रत्यक्ष या परोक्ष योगदान कर रहा है।

असल में भारत में आजादी को सिर्फ एक राजनीतिक अवधारणा बना दिया गया है। जब आजादी की बात होती है तो घूम फिर कर बात इस पर आ जाती है कि आपको सत्ता प्रतिष्ठान या शीर्ष पर बैठे राजनेता की आलोचना का अधिकार है या नहीं? यानी राजनीतिक बयान देने का अधिकार है या नहीं? माना जाता है कि अगर आपको राजनीतिक बयान देने का अधिकार है तो इसका मतलब है कि आप आजाद हैं। लेकिन ऐसा नहीं होता है। आजादी किसी राजनीतिक प्रतिष्ठान या किसी संविधान ने नहीं दी है या वह राजनीतिक बयानों तक सीमित नहीं है।

मनुष्य आजाद पैदा होता है और उसके मौलिक अधिकार, जिसमें खाने पीने की आजादी, पहनावे की आजादी, अपने मूल्यों के साथ जीवन जीने की आजादी आदि शामिल हैं, उसको स्वाभाविक रूप से मिलते हैं। लेकिन आजादी के 78 साल बाद यह स्थिति है कि कहीं खान पान की आजादी को नियंत्रित किया जा रहा है, कहीं पहनावे पर पाबंदी लगाई जा रही है, कहीं भाषा बोली को नियंत्रित किया जा रहा तो कहीं शादी की उम्र और पसंद को लेकर लोगों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इस बुनियादी बात को ही भुला दिया गया है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सिर्फ बोलने की आजादी नहीं है, बल्कि अपनी पसंद का जीवन जीने की आजादी है।

यह ध्यान रखने की जरुरत है कि नागरिकों की मौन या मुखर सहमति और नागरिक समाज की भागीदारी के बगैर लोकतंत्र और आजादी पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता है और न उसे सीमित किया जा सकता है। इंदिरा गांधी के प्रयास को इस देश के नागरिकों ने असफल बनाया था। मगर आज स्थितियां बदल गई हैं। अगर आज महाराष्ट्र में वहां की सरकार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मांस की बिक्री पर पाबंदी लगा रही है तो यह एक बड़े नागरिक समूह की सहमति के बगैर संभव नहीं है। पहली नजर में ऐसा लगेगा कि यह कितनी छोटी बात है! यह तर्क भी दिया जा रहा है कि अगर एक दिन मांसाहार नहीं करेंगे तो क्या आफत आ जाएगी!

लेकिन यह छोटी बात नहीं है और न एक दिन की बात है। धार्मिक त्योहारों के सम्मान में नागरिक समाज की ओर से इसकी शुरुआत हुई थी। कहा गया कि जैन समुदाय के पर्यूषण पर्व के मौके पर महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी। फिर कहा गया कि नवरात्रों में दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी।

इसके बाद कहा गया कि कांवड़ यात्रा के समय कांवड़ के पूरे रास्ते में मांसाहार की दुकानें बंद रहेंगी। और अब कहा जा रहा है कि स्वतंत्रता दिवस के दिन भी लोगों को मांसाहार की आजादी नहीं होगी। नागरिक समाज या एक धार्मिक समूह की ओर से किसी खास त्योहार के मौके पर पाबंदी लगाने की जो शुरुआत हुई थी वह सांस्थायिक होती जा रही है। सरकार अब कानून बना कर या आदेश पारित करके लोगों की फूड च्वाइस को नियंत्रित करना चाहती है। इसको छोटी बात नहीं माना जा सकता है। क्योंकि यह संयोग नहीं, बल्कि प्रयोग का हिस्सा है। एक बड़ा समूह इस पर चुप है, लेकिन इस चुप्पी में उसकी रक्षा नहीं है। आगे उसकी भी बारी आएगी।

इसी तरह एक कथित संत अनिरुद्धाचार्य ने लड़कियों को लेकर एक बेहद आपत्तिजनक बयान दिया। उन्होंने 25 साल की उम्र से पहले शादी की सलाह देते हुए कहा कि '25 साल की लड़की चार जगह मुंह मार चुकी होगी तो वह किसी रिश्ते को कैसे निभाएगीइ। इस पर विवाद हुआ तो एक स्टैंडर्ड सफाई आई कि उनकी बातों को काट छांट कर प्रस्तुत किया गया। इसके बाद आए एक दूसरे कथित सम्मानित संत प्रेमानंद जी महाराज आए तो उन्होंने अपना निष्कर्ष सुनाया कि, 'आजकल सौ में मुश्किल से चार पांच लड़कियां ही पवित्र होती हैं, बाकी सब ब्वॉयफ्रेंड गर्लफ्रेंड में लगे रहते हैंइ। इनके समर्थन में उतरे महंत राजू दास ने महिलाओं को लेकर कहा, 'समाज में अर्धनग्न घूम रहे हैं यह उचित नहीं है।

मातृशक्ति पूजा के योग्य है लेकिन अर्धनग्नता नहीं, यह समाज में स्वीकार के योग्य नहीं हैइ। ये तीन बयान सिर्फ विवादित बयान नहीं हैं। इनकी भाषा तो बेहद भद्दी, अश्लील और आलोचना के योग्य है ही लेकिन इसके पीछे का पूरा विचार आजादी को प्रतिबंधित करने वाला है। दुर्भाग्य से यह काम कोई सरकार नहीं कर रही है, बल्कि सत्ता संरक्षित कथित संत इस तरह की बातें कर रहे हैं और नागरिक समाज उसका समर्थन और बचाव कर रहा है।

अब सवाल है कि अगर 78 साल में हमारी आजादी मजबूत हुई है, हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है, तकनीक ने हमें अपने को अभिव्यक्त करने की बेहतर सुविधा दी है तो हम उसका क्या कर रहे हैं? हम इस प्रचार का हिस्सा बन रहे हैं कि लड़कियों को 25 साल की उम्र तक माता पिता की पसंद से शादी कर लेनी चाहिए नहीं तो उसको 'चार जगह मुंह मारने वालाइ कहा जाएगा, उसको चरित्रहीन ठहराय जाएगा और रिश्ते निभाने की उसकी क्षमता पर सवाल उठाया जाएगा! यह एक बहुत बड़ा विषय है, जिसकी गहराई में जाएं तो बहुत पन्ने काले करने होंगे लेकिन मुख्य रूप से यह स्त्रियों की पढ़ने लिखने, नौकरी करने, अपनी योग्यता साबित करने और उम्र के किसी भी पड़ाव पर अपनी पसंद से शादी करने या अपनी पसंद के व्यक्ति के साथ रहने की आजादी को सीमित करने का प्रयास है।

पता नहीं क्यों भारत का समाज स्त्रियों से इतना घबराया हुआ है कि ये कथित साधु संत आगे किए गए हैं आजादख्याल स्त्रियों को चरित्रहीन साबित करने और उनकी आजादी को नियंत्रित करने के लिए? ऐसा लग रहा है कि आजादी के 78 साल बाद भारत के सत्ता तंत्र को समझ में आ गया है कि जोर जबरदस्ती से आजादी को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है तो उसने धर्म, संस्कृति, परंपरा आदि के नाम पर खान पान, पहनावे और स्त्री पुरुष संबंधों को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया है। नागरिक समाज खुशी खुशी इसमें शामिल हो रहा है। उसको लग रहा है कि वह दूसरों से श्रेष्ठ है इसलिए उसको अपनी आजादी और अपनी पसंद का समर्पण कर देना चाहिए। असल में यह मानसिक गुलामी का प्रतीक है। यह ध्यान रखें अगर किसी समाज में नागरिकों के खान पान, पहनावे और निजी व सामाजिक संबंधों को किसी भी स्तर पर नियंत्रित कर लिया गया तो उससे उसकी राजनीतिक आजादी छीनना बहुत आसान हो जाएगा।

संवेदनशीलता और आत्मसम्मान

शिक्षण संस्थान केवल पढ़ाई–लिखाई की जगह नहीं होते, बल्कि समाज का आईना और भविष्य का निर्माण स्थल होते हैं। यहां का वातावरण सीधे तौर पर बच्चों की सोच, शिक्षकों की प्रेरणा और पूरे संस्थान की प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है। एक स्वस्थ और सम्मानजनक कार्यस्थल कोई विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी आवश्यकता है। विशेष रूप से महिला शिक्षिकाओं और महिला कर्मचारियों के लिए यह सुनिश्चित करना कि वे अपने कार्यस्थल पर सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें, किसी भी संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

हाल के वर्षों में कई घटनाएं सामने आई हैं, जहां महिला शिक्षिकाओं ने अपने ही सहयोगियों या वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए गए अनुचित व्यवहार, अशोभनीय संदेश और निजी तौर पर अनुचित हरकतों की शिकायत की है। देशभर से समय–समय पर ऐसी खबरें आती रही हैं–कभी खाली पीरियड में एकांत में लंबी बातचीत, कभी व्यक्तिगत नंबर पर अनावश्यक और निजी संदेश, कभी नजर और शब्दों से अपमानजनक संकेत, तो कभी काम में मदद या पदोन्नित के बदले अनुचित मांग। ये सब केवल व्यक्तिगत आचरण की गड़बड़ी नहीं हैं, बल्कि कार्यस्थल की गरिमा और सुरक्षा को तोड़ने वाली गंभीर प्रवृत्तियां हैं। ऐसी घटनाएं केवल एक महिला के मानसिक स्वास्थ्य को चोट नहीं पहुंचातीं, बल्कि पूरे वातावरण को विषैला बना देती हैं। असुरक्षा का भाव महिला शिक्षिकाओं के आत्मविश्वास को कमजोर करता है। महिलाओं की कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत में यौन उत्पीड़न (कार्यस्थल पर) अधिनियम, 2013 यानी 'पॉश अधिनियमइ लागू है। इसके तहत प्रत्येक संस्थान में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है, जिसकी अध्यक्ष महिला हो और आधे से अधिक सदस्य महिलाएं हों। शिकायत दर्ज होने पर सात कार्य दिवस में प्रारंभिक सुनवाई और नब्बे दिनों में जांच पूरी करनी होती है। दोषी पाए जाने पर प्रशासनिक और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। शिकायतकर्ता के साथ किसी भी प्रकार के प्रतिशोध को रोकना भी संस्थान की जिम्मेदारी है। दुर्भाग्य से, अनेक स्थानों पर यह समिति केवल कागजों में ही सीमित रहती है। समाधान केवल सजा देने में नहीं, बल्कि रोकथाम में है। इसके लिए कुछ बुनियादी कदम हर शैक्षणिक संस्थान में तुरंत लागू किए जाने चाहिए। महिला शिक्षिकाओं के लिए अलग और सुरक्षित स्टाफ रूम होना चाहिए, ताकि वे अपने कार्य से जुड़ी चर्चाएं और आवश्यक बातचीत आराम से कर सकें। महिला कर्मचारियों और छात्राओं के लिए अलग, स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय की व्यवस्था हो। परिसर के प्रमुख स्थानों, गलियारों, प्रवेश–द्वारों, खेल के मैदान और कॉमन एरिया में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए जाएं और वे हमेशा सक्रिय रहें। फुटेज को कम से कम नब्बे दिनों तक सुरक्षित रखा जाए और केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही उसकी पहुंच हो। खाली पीरियड में महिला और पुरु ष शिक्षक अपने–अपने स्टाफ रूम में ही रहें। बिना किसी औपचारिक कार्य के, एकांत में लंबे समय तक बैठना या बातचीत करना प्रतिबंधित हो। शिक्षकों और सहकर्मियों के बीच निजी संदेश केवल कार्य संबंधी हों और वह भी कार्य समय में ही भेजे जाएं। संस्थान में ऐसा गोपनीय तंत्र हो जहां पीड़ित बिना डर और शर्म के शिकायत दर्ज करा सके। यह ऑनलाइन पोर्टल, सीलबंद शिकायत बॉक्स या हेल्पलाइन नंबर के रूप में हो सकता है। शिकायत आने पर तुरंत जांच हो, आरोपी और पीड़ित को अलग किया जाए और दोषी पाए जाने पर बिना देरी कड़ी कार्रवाई की जाए। शिकायतकर्ता की गोपनीयता की रक्षा संस्थान की सर्वोच्च जिम्मेदारी होनी चाहिए। महिला सुरक्षा केवल कानूनी या प्रशासनिक मामला नहीं है, यह सामाजिक सोच का भी मुद्दा है। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि कार्यस्थल पर सम्मान, मर्यादा और सीमाएं क्या होती हैं। स्कूलों में लैंगिक संवेदनशीलता और आत्मसम्मान पर आधारित विशेष कक्षाएं शुरू की जानी चाहिए। समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा किसी एक वर्ग का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश की गरिमा का प्रश्न है। सुरक्षित कैंपस और सम्मानजनक कार्यस्थल कोई आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थान की विसनीयता का आधार है। यह केवल महिला का मुद्दा नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का मुद्दा है जो अपने कार्यस्थल को गरिमा और मर्यादा से भरपूर देखना चाहता है। अगर हम अब भी चुप रहे तो अगली घटना का इंतजार करना पड़ेगा और तब तक किसी का आत्मविश्वास, किसी का करियर और किसी की जिंदगी बर्बाद हो चुकी होगी। अब समय है चुप्पी तोड़ने का–नियम बनाने का, उन्हें कड़ाई से लागू करने का और हर शैक्षणिक संस्थान को सचमुच सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल बनाने का। यह हर शिक्षक, हर कर्मचारी, हर छात्र और पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

तभी हम आने वाली पीढ़ी को न केवल किताबों का ज्ञान, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी सीख–सम्मान और सुरक्षा–भी दे पाएंगे।

मेगास्टार चिरंजीवी का फैंस को तोहफा

आज मेगास्टार चिरंजीवी का जन्मदिन है, इससे पहले ही उन्होंने अपने फैंस को खास तोहफा दिया है। फिल्म विश्वंभरा की पहली झलक में उनका अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो सकते हैं।

चिरंजीवी साउथ फिल्मों में अपने एक्शन अंदाज के लिए जाने जाते हैं। फिल्म विश्वंभरा की पहली झलक में भी उनका यही अंदाज देखने को मिला है। इस झलक में एक लड़का और एक बूढ़ा आदमी बातचीत कर रहे हैं। दोनों विश्वंभरा की दुनिया में घटी भयानक घटनाओं पर बात करते हैं। बूढ़ा आदमी एक ऐसे इंसान की बात करता है, जिसके लालच के कारण महाविनाश होता है। उसी मौके पर एक रक्षक सामने आता है। उस रक्षक के तौर पर मेगास्टार चिरंजीवी की एंट्री होती है। एक्शन अंदाज में चिरंजीवी का किरदार बुरे लोगों से लड़ता हुआ नजर आता है।

फिल्म विश्वंभरा के साथ एक टैलेंटेड टीम जुड़ी है। प्रोडक्शन डिजाइन एएस प्रकाश ने किया है। सिनेमैटोग्राफर छोटा के. नायडू हैं। आस्कर विनर एमएम कीरवानी ने फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक तैयार किया है। चिरंजीवी की इस फिल्म में वीएफएक्स का काम यूवी क्रिएशंस ने शानदार तरीके से करवाया है। इस फिल्म में चिरंजीवी के साथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन भी नजर आएंगी। साथ ही आशिका रंगनाथ और कुणाल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

इमरान ताहिर ने 46 की उम्र में सीपीएल में लिया 5 विकेट हॉल, बनाए ये रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली, गुयाना अमेजन वॉरियर्स के कप्तान और अनुभवी लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने एक बार फिर कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 में अपनी धाक जमाई है। 46 वर्षीय ताहिर ने एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स के खिलाफ नॉर्थ साउंड में खेले गए मुकाबले में 5 विकेट हॉल अपने नाम किए। उनकी घातक गेंदबाजी ने विरोधी टीम के मध्यक्रम और निचले क्रम को ध्वस्त कर दिया और वॉरियर्स को 83 रन की बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। ताहिर ने पहली ही गेंद पर शाकिब अल हसन को चकमा देकर विकेटकीपर शाई होप से आसान स्टंपिंग कराई। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी कप्तान इमाद वसीम को बड़ा शॉट खेलने पर मजबूर किया और शमार जोसेफ ने उनका कैच पकड़ा। इसके बाद ताहिर ने शमार स्प्रिंगर को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। उसामा मीर और ओबेड मैकॉय को आउट कर ताहिर ने अपना 5 विकेट हॉल पूरा किया। ताहिर ने 4 ओवर में 1 मेडन के साथ 21 रन देकर 5 विकेट लिए। ताहिर ने सीपीएल के इतिहास में गुयाना के किसी गेंदबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ

प्रदर्शन किया। उनसे बेहतर आंकड़े सिर्फ सोहेल तनवीर के नाम हैं, जिन्होंने 2017 में बारबाडोस ट्राइडेंट्स के खिलाफ 5/3 के आंकड़े दर्ज किए थे। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ताहिर ने 80 मुकाबलों में 114 विकेट पूरे कर लिए हैं, उनकी औसत 17.14 और इकॉनमी 6.49 की है। उनके सभी विकेट गुयाना के लिए ही आए हैं, उन्होंने 1 बार 4 विकेट हॉल भी लिया है। ताहिर सीपीएल में 100 से अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र विदेशी गेंदबाज हैं। इस सूची में उनसे आगे सिर्फ ड्वेन ब्रावो (129) और सुनील नरेन (124) हैं। ताहिर के बाद जेसन होल्डर (105) ही ऐसे गेंदबाज़ हैं जिन्होंने सीपीएल में 100 विकेट पूरे किए हैं। इस उपलब्धि के साथ ताहिर ने साबित कर दिया है कि उम्र केवल एक संख्या है और उनकी गेंदबाजी आज भी इस लीग में बल्लेबाजों पर कहर बरपा रही है।

ताहिर ने अब तक 436 टी–20 मुकाबले खेले हैं और 554 विकेट अपने नाम किए हैं। उनकी औसत 19.52 और इकॉनमी रेट 6.96 रही है। इस प्रारूप में उन्होंने 12 बार 4 विकेट हॉल और 5 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं। कुल टी–20 विकेटों के मामले में ताहिर केवल राशिद खान (660), ब्रावो (631) और नरेन (590) से पीछे हैं। टी–20 अंतरराष्ट्रीय में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के लिए उन्होंने 63 विकेट चटकाए हैं।

सोनी राजदान और सबा आजाद की सान्ग्स आफ पैराडाइज का ऐलान

प्राइम वीडियो के फिल्म सान्ग्स आफ पैराडाइज के प्रीमियर की घोषणा को हो गई है. यह फिल्म पद्मश्री पुरस्कार विजेता राज बेगम की खास कहानी और सफर पर आधारित है. एक्सेल एंटरटेनमेंट के प्रेजेंटेशन में और एप्पल ट्री पिक्चर्स प्रोडक्शन और रेनजू फिल्म्स प्रोडक्शन के प्रोडक्शन में बनी यह कहानी संगीत, हिम्मत और कश्मीर की पहली मशहूर प्लेबैक सिंगर की मजबूत भावना को दिखाती है, जिन्होंने न सिर्फ वहां की महिलाओं को प्रेरित किया बल्कि इंडस्ट्री में एक नई दिशा भी दी. डायरेक्टर दानिश रेनजू द्वारा निर्देशित और उनके साथ

निरंजन अयंगर और सुनयना काचरू द्वारा लिखित, सान्ग्स आफ पैराडाइज में शानदार कास्ट है, जिसमें सबा आज़ाद और सोनी राज़दान मुख्य भूमिका में नूर बेगम के रूप में दो अलग–अलग समयों में नजर आएंगी, साथ ही ज़ैन खान दुर्रानी, शीबा चड्ढा, तारुक रैना और लिलेट दुबे भी हैं. घाटी की खूबसूरत पृष्ठभूमि के साथ यह फिल्म हिम्मत, पहचान और साहस को दिखाती है. सान्ग्स आफ पैराडाइज 29 अगस्त को भारत और 200 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी. मनीष मेंघानी, डायरेक्टर और हेड आफ कंटेंट लाइसेंसिंग, प्राइम वीडियो, इंडिया ने कहा, प्राइम वीडियो में, हम ऐसी कहानियों में विश्वास रखते हैं जो मनोरंजन करें, प्रेरित करें और हमारे दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाएं.

द बैड्स आफ बालीवुड: आर्यन खान की सीरीज की स्टार कास्ट

बालीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान नेटफ्लिक्स सीरीज द बैड्स आफ बालीवुड के साथ निर्देशन में डेब्यू कर रहे हैं. यह शो इंडस्ट्री की चमक–दमक और गपशप को उजागर करता है. शो का फर्स्ट लुक पहले ही सुर्खियों में छाया हुआ था. ऐसे में शो के प्रीव्यू ने दर्शकों की उत्साह और बढ़ा दी है. प्रीव्यू पुराने जमाने के रोमांस से लेकर एक तीखे, आधुनिक ड्रामा की ओर एक स्टाइलिश बदलाव का संकेत देता है.इस सीरीज में लक्ष्य और सहर बाम्बा मुख्य भूमिका में हैं. इनके अलावा, सीरीज में बाबी देओल, मोना सिंह, राघव जुयाल, अन्या सिंह, मनोज पाहवा, गौतमी कपूर और रजत बेदी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं.

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के नवंबर में भारत आने की हुई पुष्टि, केरल में खेलेगी मैत्री मैच

नईदिल्ली,भारत के फुटबॉल प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। दुनिया के प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी की अर्जेंटीना टीम भारत में मैत्री मैच खेलने के लिए तैयार हो गई है। भारतीय फुटबॉल महासंघ ने शनिवार को इसकी पुष्टि की है। यह मैत्री मैच 10–18 नवंबर के बीच केरल में खेला जाएगा। इससे मेसी के भी टीम के साथ आने की उम्मीद बढ़ गई है। बता दें, साल 2011 के बाद यह अर्जेंटीना टीम का भारत का दूसरा दौरा होगा।

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने शनिवार सुबह एक्स पर लिखा, लियोनेल स्कोलोनी के नेतृत्व में अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम 2025 के शेष समय में दो फीफा मैत्री मैच खेलेगी। पहला मैच 6 से

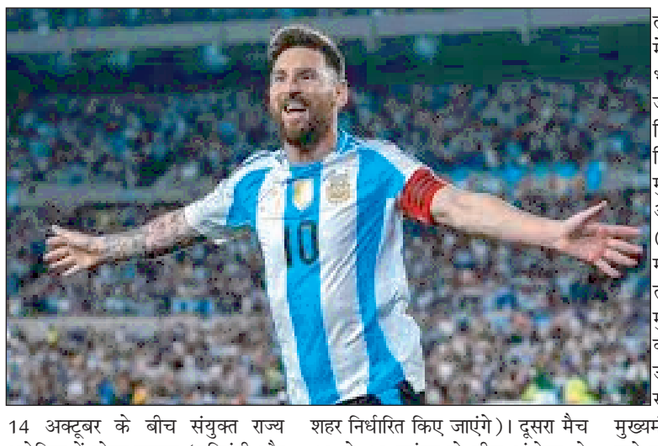

14 अक्टूबर के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका में खेला जाएगा (प्रतिद्वंद्वी और शहर निर्धारित किए जाएंगे)। दूसरा मैच 10 से 18 नवंबर के बीच अंगोला के लुआंडा और भारत के केरल राज्य में खेला जाएगा। इन मैचों के लिए भी अभी प्रतिद्वंद्वी निर्धारित किए जाएंगे। इससे पहले 1 अगस्त को रिपोर्ट में कहा गया था कि मेसी 14 दिसंबर को एक कार्यक्रम के लिए मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आएंगे। कार्यक्रम के आयोजकों (विजक्राफ्ट) ने इसकी अनुमति मांगी है। वह 13 से 15 दिसंबर तक कई कार्यक्रमों के सिलसिले में मुंबई के बाद कोलकाता और दिल्ली का भी दौरा करेंगे। कोलकाता में उन्हें ईडन गार्डन स्टेडियम में सम्मानित किया जाएगा, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भी उपस्थित रहने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी कार्य में बाधा व ब्लैकमेल के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सरकारी कार्य में बाधा व ब्लैकमेल के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मामले में सहायक अभियंता की ओर से तहरीर दी गई थी।

सहायक अभियंता महाकार सिंह की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई। जिसमें उन्होंने बताया कि कोटद्वार निवासी व्यक्ति निर्माण कार्यों के नाम पर उन्हें ब्लैकमेल कर रहा है। व्यक्ति मालन नदी में चल रहे कार्य को अवैध बताते हुए ठेकेदारों, मजदूरों और इंजीनियरों को लगातार धमकियां भी दे रहा था। साथ ही पैसों की मांग कर रहा था। पुलिस जांच में व्यक्ति द्वारा मालन नदी में हो रहे कार्य की वीडियो बनाकर अधिकारियों व ठेकेदारों को ब्लैकमेल करने की पुष्टि हुई। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

खूंखार कुत्ते पालने का शौक, दहशत में जन

प्रतिबंध के बाद भी खूंखार कुत्तों को पाल रहे लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : केंद्र ने रोटविलर, पिटबुल सहित कुत्तों की 23 खूंखार प्रजातियों को पालने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। लेकिन, कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र में इस खूंखार कुत्तों को पालना मानो स्टेटस सिंबल बन गया है।

ऐसा नहीं कि क्षेत्र में पल रहे इन खूंखार कुत्तों ने किसी पर हमला न किया हो। लेकिन, यह बात अलग है कि घायल होने वाले घर के ही सदस्य थे। इस कारण मामला घर के घर में ही दबा रह गया। हैरानी की बात तो यह है कि नगर निगम के पास क्षेत्र में पल रहे इन प्रतिबंधित खूंखार कुत्तों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र में सुबह व शाम के वक्त सड़कों पर रोटविलर व पिटबुल जैसी खूंखार प्रजाति के कुत्तों को घुमाते लोग आसानी से देखे जा सकते हैं। इन कुत्तों ने भले ही सड़कों पर आज तक किसी राहगीर पर हमला न किया हो। लेकिन, कब हमला कर दें, इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, घर के सदस्यों पर रोटविलर व पिटबुल के हमले किए जा चुके हैं। चिकित्सालय प्रशासन की माने तो पिछले छह महीनों में पांच ऐसे मामले सामने आए, जिसमें घर के किसी सदस्य पर पिटबुल अथवा रोटविलर ने हमला किया। स्थिति यह है कि खूंखार प्रजाति के कुत्ते पालना क्षेत्र में स्टेटस सिंबल का बन गया है। बताना जरूरी है कि पिछले सप्ताह पूर्व देहरादून में प्रतिबंधित प्रजाति के रोटविलर कुत्ते ने एक बुजुर्ग पर हमला कर दिया। हमले में बुरी तरह घायल बुजुर्ग के शरीर पर दो सौ टांके लगे। साथ ही कई हड्डियां भी टूट गई थी।

नगर निगम को नहीं खूंखार प्रजाति के कुत्तों की जानकारी

नियमानुसार, क्षेत्र में पालतू व आवारा कुत्तों के बारे में नगर निगम के पास पूर्ण जानकारी होती है। पालतू कुत्तों को नगर निगम में पंजीकृत किए जाने का नियम भी है। लेकिन, कोटद्वार नगर निगम में आज तक एक भी पालतू कुत्ते को पंजीकृत नहीं किया गया है। अलबत्ता, आवारा कुत्तों का बधियाकरण अवश्य करवाया है। हालांकि, कोटद्वार नगर निगम गठित हुए आठ वर्ष हो चुके हैं। लेकिन, आज तक निगम में पशु चिकित्सक की तैनाती नहीं हुई है।

गुलदार ने मासूम को बनाया निवाला, झाड़ियों में मिला शव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों की दहशत थमने का नाम नहीं ले रही। नजीबाबाद-बुबाखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर सतपुली-गुमखाल के मध्य सड़क चौड़ीकरण कार्य में जुट एक नेपाली श्रमिक के बच्चे को गुलदार उठा ले गया। घटना से कुछ दूर झाड़ियों से मासूम का शव बरामद हुआ। घटना शुक्रवार रात की है। मार्ग चौड़ीकरण कार्य में जुटे नेपाली श्रमिको ने ग्राम सतपुली मल्ली के समीप सड़क किनारे डेरा बनाया हुआ है। रात के समय रमेश की पत्नी सड़क किनारे खाना बना रही थी। समीप ही उनका तीन वर्षीय पुत्र विवेक भी बैठा हुआ था। इसी दौरान गुलदार ने विवेक पर झपट्टा मार दिया व उसे मुंह में दबा सड़क से नीचे की तरफ झाड़ियों में लेकर चला गया। गुलदार का हमला होते ही डेरे में हड़कंप मच गया व श्रमिक गुलदार के पीछे भागे। लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बच्चे की तलाश शुरू कर दी। घटनास्थल से कुछ दूर झाड़ियों से बच्चे का शव बरामद हुआ।

जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने उठाई समस्याओं के निराकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने जिला शिक्षा अधिकारी से मुलाकात की। साथ ही समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई। कहा कि विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक नहीं होने से शिक्षा व्यवस्था बेपटरी होती जा रही है।

शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष भगत सिंह भंडारी व जिला मंत्री भोपाल सिंह रावत के नेतृत्व में शिक्षकों ने जिला शिक्षा अधिकारी (प्राशि) से मुलाकात की। बताया कि विद्यालयों में वर्षों से शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ऐसे में जल्द से जल्द रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ की जानी चाहिए। कहा कि शिक्षकों की वर्षों से चली आ रही वेतन विसंगतियों की मांग पर भी गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है। संघ ने वरिष्ठ शिक्षकों को कनिष्ठ शिक्षकों से कम वेतन की विसंगतियों का शासनादेश के अनुसार निस्तारण करने की मांग उठाई। साथ ही वेतनमान स्वीकृति, वेतन वृद्धि के नाम पर वसूली गई धनराशि को शीघ्र शासनादेश के अनुसार वापस लौटाने की मांग उठाई गई। कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को शासनादेश का पालन करते हुए सभी देयकों का भुगतान निर्धारित समय पर किया जाना चाहिए। इस दौरान संघ ने क्लस्टर विद्यालय के रूप में चयनित किए गए माध्यमिक विद्यालयों से जूनियर हाई स्कूलों को आच्छादित नहीं करने की भी मांग उठाई। इस मौके पर उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नेगी, पवन देवलियाल, दिलीप कुमार, विजय भट्ट, विपिन चौहान, संदीप गुसाईं, रश्मि बिष्ट, कुलदीप रावत, भूपेंद्र रावत, मनमोहन चौहान आदि मौजूद रहे।

पौड़ी में जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा.शि) को ज्ञापन देते जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के पदाधिकारी

गांव में बाघ की धमक, दहशत में ग्रामीण

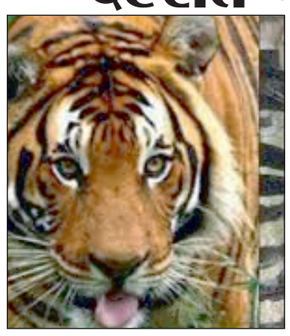

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड नैनीडांडा के अंतर्गत हल्दूखाल क्षेत्र के विभिन्न गांव में पिछले कई दिनों से बाघ की धमक बनी हुई है। आए दिन बाघ आबादी में घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। नतीजा, ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल होता जा रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से बाघ के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है।

विकासखंड के अंतर्गत ग्राम दोग्याणा, घोड़कंद, किमखेत, सिमली, बियासी, गजखोला, चामसैण आदि गांव में इन दिनों गुलदार की धमक बनी हुई है। दोपहर के समय ही बाघ गांव के आसपास घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। प्रधान संगठन के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि पूर्व में बाघ क्षेत्र के दो व्यक्तियों को निवाला बना चुका है। लगातार बढ़ रही बाघ की धमक से बच्चों का स्कूल जाना भी मुश्किल हो गया है। अभिभावक स्वयं ही बच्चों को स्कूल भेजने व लेने के लिए जा रहे है। बताया कि समस्या से कई बार वनाधिकारियों को सूचना दे चुके है। लेकिन, अब तक इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों ने गांव में पिंजरा लगवाने की मांग की है। कहा कि ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता से कार्य किया जाना चाहिए।

लोगों को दी बैंक से संबंधित योजनाओं की जानकारी

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला सहकारी बैंक लि. की शाखा दुर्गापुरी की ओर से बैंक परिसर में ऋण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान अनुभाग अधिकारी ट्विंकल रावत द्वारा लोगों को बैंक की ओर से चलाई जा रही गृह व वाहन ऋण और पं. दीनदयाल किसान कल्याण योजना सहित अन्य योजनाओं पर जानकारी दी गई। मौके पर विभिन्न ऋणों को भी मंजूरी दी गई। शाखा प्रबंधक प्रदीप रावत ने कहा कि बैंक की ओर से जन हित में विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिसके बारे में आम जन बैंक में आकर जानकारी ले सकते हैं। कहा कि लोगों को इसका लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर देवी रोड़ स्थित बैंक की शाखा प्रबंधक सुमन तोमर और सचिव सुदेश उनियाल सहित बैंक कर्मचारी और आम जन मौजूद रहे।

समिति ने आपदा प्रभावितों की मदद के लिए भेजी धनराशि

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : धराली में आपदा प्रभावितों की मदद के लिए भारतीय गोर्खाली समाज सेवा समिति ने मुख्यमंत्री राहत कोष में सहायता राशि भेजी है। इस दौरान समिति ने अन्य लोगों से भी आपदा प्रभावितों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। समिति के अध्यक्ष सुरेश गुरंग के नेतृत्व में गोर्खाली समाज के पदाधिकारी तहसील परिसर पहुंचे। तहसील में गोर्खाली समाजसेवा समिति की ओर से उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी के माध्यम से मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 21 हजार का चैंक सौंपा। गोर्खाली समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि धराली क्षेत्र में बहुत बड़ी प्राकृतिक आपदा आने से बड़ी मात्रा में जन धन की हानि हुई है। कहा कि इस विपदा की घड़ी में गोर्खाली समाज पीड़ितों के साथ खड़ा है। गोर्खाली समाज के लोगों ने आपस में सहयोग राशि एकत्रित की है, जिसे वे मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा करवा रहे है। इस मौके पर नारायण क्षेत्री, श्याम क्षेत्री, कमल ठाकुर, नाराण सिंह थापा मौजूद रहे।

युवती से छेड़छाड़, मुकदमा दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गापुरी स्थित एक साइबर कैफे में युवती से छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है।कोतवाली में दी गई तहरीर में पीड़िता ने बताया कि बीती शाम वह अपनी सहेली के साथ साइबर कैफे में पैसे ट्रांसफर करवाने गई थी। कैफे संचालक उससे गलत बातें करते हुए नंबर मांगने लगा। विरोध करने पर कैफे संचालक ने जबरदस्ती की व उसकी सहेली को धक्का मारकर दुकान से बाहर करते हुए उसे दुकान के भीतर खींच लिया। आरोप है कि कैफे संचालक ने उससे मारपीट भी की। शिकायत की चेतावनी देने पर कैफे संचालक ने कहा कि वह उसकी हत्या कर मालन नदी में फेंक देगा। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है।

वृक्षमित्र डा. त्रिलोक चंद सोनी को मिलेगा सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : पर्यावरण संरक्षण व समाज सेवा के लिए वृक्षमित्र डा. त्रिलोक चंद सोनी को शैल शिल्पी कर्मवीर जयानंद भारतीय स्मृति सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें छह दिसंबर को पौड़ी क्रांति की वर्षगांठ पर दिया जाएगा।शैलशिल्पी विकास संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विकास कुमार आर्य ने कहा कि वृक्षमित्र के नाम से प्रसिद्ध जनपद चमोली के सीमांत विकासखंड देवाल के छोटे से गांव पूर्णा निवासी पेशे से शिक्षक डा. त्रिलोक चंद सोनी को वर्ष-2025 का प्रतिष्ठित शैलशिल्पी कर्मवीर जयानंद भारतीय स्मृति सम्मान दिया जाएगा। यह सम्मान उन्हें समाज सेवा व पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए दिया जाएगा। बताया कि प्रति वर्ष संगठन की ओर से साहित्य, कला पर्यावरण, खेल, शिक्षा, पत्रकारिता, समाज सेवा के क्षेत्र में दिया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

डीएम के निर्देश पर नई सस्ता राशन की दुकानों के विक्रेताओं को दिया प्रशिक्षण

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देश पर सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण पर जिला आपूर्ति विभाग द्वारा जनपद में 17 नई सस्ता राशन गल्ला की दुकानों खोली गई हैं तथा 12 अतिरिक्त नई दुकानों की टैण्डर किया गया है जिसके लिए आवेदन प्राप्त किए गए हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर खोली गई 17 नई राशन की दुकानों के विक्रेताओं को आज जिला पूर्ति कार्यालय में प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विक्रेताओं को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) कार्यप्रणाली, उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराने, डिजिटल वितरण प्रणाली, ई– पॉस मशीनों के प्रयोग तथा पारदर्शिता बनाए रखने संबंधी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने विक्रेताओं को समय पर खाद्यान्न वितरण, शिकायत निवारण प्रक्रिया तथा दुकान संचालन से संबंधित नियमों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण का उद्देश्य विक्रेता पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से कार्य करें जिससे आमजन को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए राशन विक्रेताओं द्वारा नई राशन की दुकानों के माध्यम से रोजगार दिलाने पर जिलाधिकारी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

विधिक जनजागरूकता शिविर आयोजित हुआ

नई टिहरी। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज चंबा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विधिक जनजागरूकता शिविर आयोजित हुआ। प्राधिकरण के सचिव आलोक राम त्रिपाठी ने छात्राओं और शिक्षिकाओं को पॉक्सो अधिनियम, पॉश एक्ट (कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न–रोकथाम, निषेध व निवारण), राहवीर योजना आदि कानूनी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बालिकाओं के साथ छेड़खानी या अन्य प्रकार की कोई घटना होती है तो उसे छिपाने की बजाए पुलिस को बताएं। कई बार लोग ऐसी घटनाओं व बातों को नजरंदाज कर देते हैं जो कि आने वाले समय में बड़ी समस्या बन जाती है। रिटेनर अधिवक्ता राजपाल सिंह मियां ने मोटरयान अधिनियम व प्राधिकरण की कार्यशैली के बारे में छात्राओं को जानकारी दी। उन्होंने वाहन चलाने के लिए लाइसेंस का होना अनिवार्य बताते हुए दोपहिया वाहन संचालन में हेलमेट व कार ड्राइव में सीट बेल्ट का प्रयोग आवश्यक रूप से करने की अपील की। इस मौके पर प्रभारी प्रधानाचार्य मंजू चौहान, एसआई तेजपाल सिंह, पूजा आदि मौजूद रहे।

छत पर पानी की टंकी लगा रहे फीटर की करंट लगने से मौत

रुद्रप्रयाग। पुनाड़ वाल्मीकि बस्ती में छत पर पानी की टंकी लगाने के दौरान फीटर की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद से मृतक के परिवार में मातम छाया है। विधायक, नगर पालिका अध्यक्ष व अन्य ने घटना पर दुख जताया। जल संस्थान में ठेकेदारी व्यवस्था के तहत तैनात फीटर दिनेश नौटियाल निवासी शनिवार को पुनाड़ वाल्मीकि बस्ती में एक छत पर पानी की टंकी लगा रहे थे। इस दौरान वह लोहे के एक पाइप को मोड़ रहे थे की इसी दौरान पाइप का एक सिरा ऊपर से गुजर रही 11केवी विद्युत लाइन के तार से टकरा गया। लोहे के पाइप पर करंट दौड़ने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज नेगी मय फोर्स मौके पर पहुंचे और शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। इधर जलसंस्थान के अधिशासी अभियंता अनीश पिल्लई ने कहा कि मृतक के परिवार की हरसंभव मदद की जाएगी। वहीं जलसंस्थान के ठेकेदार अरुण कप्रवाण ने बताया कि दिनेश नौटियाल पिछले डेढ़ वर्ष से बतौर श्रमिक कार्य कर रहे थे।

भाजपा ने किया नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों संग आपसी परिचय कार्यक्रम

रुद्रप्रयाग। भाजपा ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में निर्वाचित ग्राम प्रधान, क्षेत्र और जिला पंचायत सदस्यों के साथ आपसी परिचय कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर केदारनाथ विस क्षेत्र की विधायक आशा नौटियाल ने जिपं अध्यक्ष पूनम कठैत सहित अन्य सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का स्वागत कर उन्हें शॉल भेंट किया।

चंद्रापुरी में भाजपा के जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विधायक आशा नौटियाल ने नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों से अपने–अपने कार्यक्षेत्र में आमजन से जुड़कर कार्य करने की अपील की। कहा कि सरकार जनता के द्वार की भावना के साथ सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधि कार्य करें जिससे जरूरतमंद लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके।

अटल उत्कृष्ट राइंकॉ बिलखेत में शिक्षकों का अभाव, अधर में लटका छात्रों का भविष्य

विगत वर्ष शिक्षकों का आपसी विवाद के चलते किया था संमद्ध ,छात्राओं के अभिभावकों ने डीएम से लगाई गुहार

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के अटल उत्कृष्ट जीआईसी बिलखेत में शिक्षकों की कमी के चलते के अभिभावक के एक शिष्टमंडल ने जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि विद्यालय में प्रवक्ता के पांच पद खाली होने से छात्र-छात्राओं का पठन-पाठन प्रभावित हो रहा है। साथ ही विद्यालय में नियमित प्रधानाचार्य नहीं होने से अनुशासनिक, प्रशासनिक व्यवस्था पटरी से उत्तर चुकी है। कहा कि विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर अभिभावकों में भारी आक्रोश है। अटल उत्कृष्ट जीआईसी बिलखेत के अभिभावक संघ अध्यक्ष ममतेश कुमार और एसएमसी अध्यक्ष कुलदीप गुसांई के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने मंडल मुख्यालय पौड़ी पहुंचकर जिलाधिकारी पौड़ी स्वाति एस भदौरिया से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि विद्यालय में विगत चार साल से प्रधानाचार्य पद रिक्त चल रहा है। पिछले वर्ष पीटीए की बैठक के दौरान शिक्षकों के बीच आपसी विवाद सामने आया था जो उस दौरान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। जिसके चलते शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों ने जांच के पश्चात उक्त विवाद प्रकरण को गंभीरता से लिया और अंग्रेजी व हिंदी के प्रवक्ताओं को अन्य विद्यालयों में संबद्ध कर दिया था। जबकि अभिभावकों ने उक्त शिक्षकों का स्थायी स्थानांतरण कर विद्यालय में नए शिक्षकों की तैनाती की मांग की थी। जो आज तक नहीं हो पाई। ना ही विकल्प के तौर पर अतिथि शिक्षकों की तैनाती हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रवक्ता संस्कृत व भौतिक विज्ञान मातृत्व अवकाश पर हैं। ज्ञात हो कि अटल उत्कृष्ट जीआईसी बिलखेत विकासखंड कल्जीखाल में सबसे अधिक छात्र संख्या वाला विद्यालय है। वर्तमान में विद्यालय में 150 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। यहां तक की सतपुली नगर कस्बे के छात्र-छात्राएं भी पढ़ने आते है। प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी नागेंद्र बर्थवाल ने बताया कि अटल उत्कृष्ट जीआईसी बिलखेत में तीन शिक्षकों के संबद्ध और दो अध्यापिकाएं मातृत्व अवकाश पर होने के चलते पद रिक्त नहीं है। जिस कारण अव्यवस्थाएं हो रही है।

अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का लगातार बढ़ रहा जलस्तर, प्रशासन अलर्ट

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : लगातार हो रही वर्षा के कारण जनपद अंतर्गत अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदियों के जल स्तर में बढ़ोतरी को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। प्रशासन ने नदी किनारे बसे नागरिकों से अपील की है कि वे नदी की ओर अनावश्यक न जाएं, प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासनिक सहायता प्राप्त करें। शनिवार सुबह 8 बजे अलकनंदा नदी का जल स्तर 626.90 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 627.00 मीटर से केवल 10 सेंटीमीटर नीचे है, जबकि चेतावनी स्तर 626.00 मीटर को पहले ही पार कर चुका है। इसी तरह, मंदाकिनी नदी का जलस्तर 625.10 मीटर मापा गया है, जो चेतावनी स्तर 625.00 मीटर को पार कर चुका है और अब खतरे के स्तर 626.00 मीटर के नजदीक पहुंच रहा है। नदियों के जल स्तर में बढ़ोतरी को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिला आपदा प्रबंधन टीम, एसडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें लगातार जल स्तर की निगरानी कर रही हैं। इसके साथ ही नदी तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

थराली आपदा : राहत एवं बचाव कार्यों में स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : थराली में आई आपदा के बाद प्रदेश सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों को तेज करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को पूर्ण अलर्ट पर रखा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत एवं प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आपदा पीड़ितों के साथ है और उनके उपचार एवं राहत कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ. सुनीता टम्टा एवं चमोली के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता से आपदा प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तेजी से घटनास्थल पर पहुंचकर न केवल घायलों का उपचार किया, बल्कि मानसिक रूप से आहत पीड़ितों की काउंसलिंग भी की। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त चिकित्सक दल एवं संसाधन तुरंत भेजे जाएंगे। साथ ही, सीएमओ चमोली को निर्देश दिए गए हैं कि स्थिति सामान्य होने तक ग्राउंड जीरो पर रहकर राहत कार्यों की निगरानी करें। डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि वर्तमान में थराली सीएचसी में 04 चिकित्सा अधिकारी, 06 स्टाफ नर्स, 01 फार्मासिस्ट, 01 ड्राइवर एवं एम्बुलेंस सहित जीवनरक्षक दवाओं के साथ टीम सक्रिय रूप से तैनात है। इसके अतिरिक्त, एसडीएच कर्णप्रयाग से 02 विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं 02 अतिरिक्त 108 एम्बुलेंस को आपदा क्षेत्र में तैनात किया गया है। वहीं पीएचसी देवाल से एक अतिरिक्त चिकित्साधिकारी को भी मौके पर भेजा गया है। गंभीर रूप से घायल मरीजों को शीघ्र उपचार उपलब्ध कराने के लिए हेलीकॉप्टर की मदद से 06 घायलों को एम्स ऋषिकेश भेजा गया है, जबकि अन्य दो दर्जन से अधिक घायलों का मौके पर उपचार किया गया। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्र में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाएगी और सभी चिकित्सा इकाइयों को उच्चतम सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

थराली में युद्धस्तर पर जारी राहत एवं बचाव अभियान, मुख्यमंत्री के निर्देश पर डटी टीमें

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : थराली में भारी बारिश के कारण थराली बाजार और आसपास के क्षेत्रों में आए मलबे के बीच राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिला प्रशासन, स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, एसएसबी, आईटीबीपी की विभिन्न टीमें राहत और बचाव कार्यों में जुटी हैं। मुख्यमंत्री स्वयं रेस्क्यू अभियान की निगरानी करते हुए मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन, जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी से लगातार पल-पल की अपडेट ले रहे हैं।

वहीं शनिवार सुबह मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर थराली में संचालित राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा करते हुए चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी से अपडेट लिया। उन्होंने आपदा के बाद जल्द से जल्द थराली में स्थिति को सामान्य करने, राहत और बचाव कार्यों को त्वरित गति से संपादित करने, स्थानीय लोगों तक मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर कमी नहीं रहनी चाहिए। जो भी संसाधनों की आवश्यकता है, उन्हें तत्काल घटनास्थल में तैनात किया जाए। उन्होंने जिलाधिकारी को स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने के निर्देश देते हुए थराली में पेयजल, विद्युत और संचार आपूर्ति को तत्काल बहाल करने तथा सभी विभागों, एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन को आपसी समन्वय से राहत और बचाव कार्यों को संचालित करने को कहा। उन्होंने जिलाधिकारी से राहत एवं बचाव कार्यों हेतु शासन स्तर पर किसी भी प्रकार के सहयोग के लिए तुरंत अवगत कराने के निर्देश दिए। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि थराली तहसील क्षेत्र के टूनरी गदेरे में शुक्रवार देर रात्रि करीब डेढ़ बजे अतिवृष्टि से थराली बाजार और आसपास के क्षेत्र में भारी मलबा आ गया था। मलबे की चपेट में आने से एसडीएम आवास सहित कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। चेपड़ो बाजार, कोटद्वीप बाजार में दुकानों में मलबा भर गया। कई वाहन भी मलबे में दब गए। सूचना मिलते ही राहत और बचाव कार्य के लिए जिला प्रशासन, स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। वहीं एसडीआरएफ और एनडीआरफ की टीम आपदा क्षेत्र के लिए रवाना हो गई है। कर्णप्रयाग ग्वालदम सड़क को भारी बारिश के चलते कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गई है। जिसे सुचारू करने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री धामी ने जताया दुःख

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि इस दुखद हादसे में अब तक एक युवती का शव बरामद किया जा चुका है। चेपड़ो बाजार में एक अन्य लापता व्यक्ति की तलाश की जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मलबे में दबने से युवती के निधन पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना पर उनके सुरक्षित व सकुशल होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने थराली के निवासियों से धैर्य बनाएं रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव दलों द्वारा युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। सरकार इस मुश्किल घड़ी में थराली के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि थराली में जिन लोगों के भी भवन खतरे की जद में हैं, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ठहराया जाए तथा उनके रहने, भोजन, चिकित्सा आदि की समुचित व्यवस्था की जाए।

एसईओसी से निगरानी, तड़के कंट्रोल रूम पहुंचे अधिकारी

घटना की जानकारी मिलते ही राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की जा रही है। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन सुबह ही कंट्रोल रूम पहुंचे और जिलाधिकारी से घटना की पूरी जानकारी ली। वे लगातार मुख्यमंत्री को रेस्क्यू अभियान की पल-पल जानकारी दे रहे हैं। अपर सचिव/अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो. ओबैदुल्लाह अंसारी सुबह पांच बजे कंट्रोल रूम पहुंचे। उन्होंने तुरंत सेना, एसएसबी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ को ग्राउंड जीरो के लिए रवाना किया। वे ग्राउंड जीरो पर कार्य कर रहीं राहत एवं बचाव कार्य कर रहीं विभिन्न एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए हैं।

हेलीकॉप्टर को रखा गया स्टैंडबाय में

वर्तमान तक प्राप्त सूचना के अनुसार 10 से 12 घरों में अत्यधिक मलबा आया है तथा 20 से 25 घरों में आंशिक जल भराव और मलबा आया है। दो घर पूर्णतः क्षतिग्रस्त हुए हैं।

युवा नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं

रक्तदान और तंबाकू उन्मूलन के प्रति युवाओं की जागरूक भागीदारी

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई एवं ब्रह्मकुमारी संस्थान रुद्रप्रयाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशुतोष त्रिपाठी ने प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की अपील की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार ने किया। उन्होंने उपस्थित स्वयं सेवियों को रक्त परीक्षण एवं रक्तदान की आवश्यकता और उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पैथोलॉजी विभाग के डॉ. मनीष कुमार ने सभी प्रतिभागियों का रक्त समूह परीक्षण एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के एनएसएस नोडल अधिकारी श्रीकांत नौटियाल, डॉ. जगमोहन सिंह, डॉ. नवीन कुमार महाजन, आदर्श, संदेश, खुशराज सहित कई स्वयं सेवियों ने रक्तदान कर समाज को प्रेरणादायी संदेश दिया। साथ ही छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष आशीष कप्रवान और योगेंद्र सिंह ने भी रक्तदान में सक्रिय भागीदारी की। इस मौके पर तंबाकू उन्मूलन अभियान के अंतर्गत आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में हिमानी कोठियाल ने प्रथम, साक्षी ने द्वितीय तथा शालिनी सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. अंविता सिंह (एनएसएस सह संयोजक), माय भारत रुद्रप्रयाग से क्लाउड कोऑर्डिनेटर विजय वशिष्ठ, अजीता, आकाश कुमार, सलोनी टम्टा, पलक सेमवाल, प्रिया सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवियों की उपस्थिति रहे।

प्रदेश में आपदाओं की घटनाओं को लेकर वैज्ञानिक चिंतित

देहरादून।उत्तराखंड इन दिनों आपदाओं से जूझ रहा है। आये दिन प्रदेश के किसी न किसी क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। प्रदेश में आपदाओं की घटनाओं को लेकर वैज्ञानिकों चिंतित हैं। इसे लेकर वैज्ञानिकों ने दून लाइब्रेरी, रिसर्च सेंटर और संयुक्त रूप से सेंट्रल हिमालय में आ रही लगातार आपदाओं पर चर्चा की। जिसके केंद्र बिंदु में धारली आपदा थी। चर्चा के बाद इसके निष्कर्ष को सरकार से भी साझा किया जाएगा। दून लाइब्रेरी रिसर्च सेंटर और स्ढएउर (सोसाइटी ऑफ़ पोल्लुशन एंड एनवायर्नमेंटल कंज़र्वेशन साइंटिस्ट्स) ने मिलकर दून लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर के सभागार में धाराली फ्लैश फ्लडझ्रटाइमलाइन में एक और आपदाह्व विषय पर एक विशेष चर्चा ह्वदि देहरादून डायलॉग सीरीज़ की।

नाराज एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

देहरादून। उत्तराखंड में बीते दो साल से छात्र संघ चुनाव नहीं होने से नाराज एनएसयूआई (नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया) के कार्यकर्ताओं ने आज 23 अगस्त को देहरादून में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सचिवालय कूच किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें बेरिकेडिंग लगाकर पहले ही रोक लिया। इससे नाराज एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने वहां काफी हंगामा किया। इस दौरान पुलिस और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के बीच धक्का–मुक्की भी हुई। विवाद काफी बढ़ा तो पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और पुलिस लाइन भेज दिया था। उत्तराखंड में पिछले दो सालों से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने से एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसके विरोध में आज छात्र संगठन को सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ा है। यह प्रदर्शन कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, एनएसयूआई के प्रदेश प्रभारी सौरभ यादव और प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर छात्र संघ चुनावों को स्थगित करके लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन कर रही है। कांग्रेस पार्टी के सहयोगी छात्र संगठन एनएसयूआई के प्रदेश प्रभारी सौरभ का कहना है कि छात्र संघ चुनाव केवल छात्र राजनीति नहीं बल्कि भविष्य के जनप्रतिनिधियों की लोकतांत्रिक पाठशाला होती है। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज दबाने का हर प्रयास उत्तराखंड सरकार की जन विरोधी मानसिकता को उजागर करता है। देहरादून में छात्र संघ चुनाव कराने को लेकर सरकार की तरफ से हीला हवाली की जा रही है,

एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर की क्षमता तीन गुना बढ़ाएगा नगर निगम

देहरादून। राजधानी दून में नगर निगम ने ठोस कदम उठाने की तैयारी की है। जल्द ही एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर की क्षमता तीन गुना बढ़ाई जाएगी। वर्तमान में यहां करीब 70 कुत्तों को रखने की व्यवस्था है, जिसे बढ़ाकर 200 से अधिक किया जाएगा। प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और इसे आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। इसके साथ ही जल्द कुत्ता शिकायत प्रकोष्ठ तैयार कर टोल फ्री नंबर जारी किया जाएगा। वहीं, पोस्टर–बैनर के माध्यम से भी जनजागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। नगर निगम के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी डा. वरुण अग्रवाल के अनुसार, वर्ष 2016 से लावारिस कुत्तों के बंध्याकरण अभियान के तहत अब तक करीब 53 हजार कुत्तों का बंध्याकरण और टीकाकरण हो चुका है। बावजूद इसके, शहर में अब भी लगभग 20 प्रतिशत कुत्तों की नसबंदी बाकी है। निगम अब आक्रामक और हमलावर कुत्तों की पहचान कर उन्हें एबीसी सेंटर लाकर लंबे समय तक रखने, उपचार करने और स्वभाव शांत होने पर ही वापस छोड़ने की योजना पर काम कर रहा है। निगम की नई नीति के तहत अब ऐसे लोग भी जवाबदेह होंगे जो लावारिस कुत्तों को नियमित रूप से खाना खिलाते हैं। यदि उनके खिलाए गए कुत्ते राहगीरों पर हमला करते हैं तो उन्हें कुत्ते का मालिक माना जाएगा। ऐसे मामलों में एक से दो हजार रुपये तक का चालान वसूला जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के नए दिशा–निर्देश से निगम को मिली राहतः नगर निगम सुप्रीम कोर्ट की पुरानी गाइडलाइन का हवाला देकर अभी तक हमलावर कुत्तों को उनके इलाके से हटाने से बचता था। पुराने नियमों के तहत लावारिस कुत्तों का वास स्थल नहीं बदला जा सकता था, इसलिए निगम केवल बंध्याकरण और टीकाकरण तक ही सीमित रहता था। अब सुप्रीम कोर्ट ने नए निर्देश जारी कर दिए हैं, जिनमें आक्रामक लावारिस कुत्तों को पकड़कर आश्रय गृह में रखने की अनुमति दी गई है। महापौर सौरभ थपलियाल का कहना है कि नए दिशा–निर्देशों से अब निगम को कार्रवाई करने में आसानी होगी और शहरवासियों को जल्द राहत मिलेगी।

आपदा की मार से स्कूल भवनों और आंगनबाड़ी केंद्रों को हुआ नुकसान

नई टिहरी। आपदा की मार स्कूल भवनों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर भारी पड़ रही है। आपदा से जिले के चार स्कूल भवनों और एक आंगनबाड़ी केंद्र को नुकसान पहुंचा है जिससे छात्र–छात्राओं और शिक्षकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खतरे को देखते हुए पावकी देवी तहसील क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय क्यारा के छात्र–छात्राओं की कक्षाएं इन दिनों हाईस्कूल क्यारा के भवन पर संचालित की जा रही है। बीते 16–17 अगस्त को टिहरी जिले में बारिश आफत बनकर बरसी है। बारिश से स्कूलों, कॉलेजों के भवन और रास्ते भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। बारिश के दौरान थौलधार ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज मंजकोट और जूनियर हाईस्कूल भवन के पीछे का पुश्ता टूट गया है जिससे दोनों स्कूल भवनों को खतरा पैदा हो गया है। झकोगी गांव का आंगनबाड़ी केंद्र भी क्षतिग्रस्त हो गया है। धनोल्टी तहसील क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय खेतू के आगे का पुश्ता टूट गया है।

मसूरी वन प्रभाग में 7375 सीमा स्तंभ मौके से गायब, वन विभाग की कार्यप्रणाली पर फिर गंभीर सवाल

देहरादून। उत्तराखंड वन विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मसूरी वन प्रभाग में 7375 सीमा स्तंभों के मौके से गायब होने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिससे वन भूमि पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण और गैर वानिकी कार्यों के लिए भूमि का गैरकानूनी उपयोग की आशंका है। साथ ही यहां राजनीतिक संरक्षण के चलते विभाग की ओर से अतिक्रमण की अनदेखी की भी बात सामने आ रही है। खासकर प्रभाग की रायपुर रेंज के खलंगा क्षेत्र में अतिक्रमण से वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। मुख्य वन संरक्षक कार्ययोजना संजीव चतुर्वेदी ने प्रमुख वन संरक्षक को लिखे एक विस्तृत पत्र में आरोप लगाया है कि इतने बड़े पैमाने पर सीमा स्तंभों का गायब होना महज लापरवाही नहीं, बल्कि सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। पत्र के मुताबिक तद्समय तैनात वन अधिकारियों, कर्मचारियों और निहित स्वार्थी तत्वों की मिलीभगत के बिना इतना बड़ा घोटाला संभव ही नहीं था। वन प्रभाग की मार्च 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, मसूरी वन प्रभाग में कुल 12321 सीमा स्तंभ दर्ज हैं। इनमें से 7375 सीमा स्तंभ मौके से पूरी तरह गायब हैं। यह एक गंभीर विसंगति है क्योंकि मानचित्र पर ये स्तंभ मौजूद हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में इनके कोई निशान नहीं हैं। सबसे चौंकाने वाली स्थिति मसूरी रेंज की है, जहां 4133 सीमा स्तंभ मौके से पूरी तरह गायब हैं। इसी तरह रायपुर में 1722 और जौनपुर में 944 सीमा स्तंभ लापता हैं। मुख्य वन संरक्षक ने स्तंभ गायब होने के मामले को बेहद गंभीर बताते हुए विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन या न्यायालय की निगरानी में सीबीआइ जांच की सिफारिश की है। साथ ही गायब सीमा स्तंभों की तुरंत पुनर्स्थापना, वन भूमि पर अवैध कब्जों की व्यापक जांच, संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने की भी सिफारिश की है। वन क्षेत्र में अतिक्रमण के बढ़ते मामले चिंताजनकः वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मसूरी वन प्रभाग में अतिक्रमण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है।

राष्ट्रीय लोकदल उत्तराखंड ने महिला सशक्तिकरण के लिए सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया

देहरादून। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) उत्तराखंड की प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, कमलप्रीत अरोड़ा, और महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश मीडिया प्रभारी, मंजू जैन, ने आज जैन धर्मशाला में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। इस बैठक का उद्देश्य महिलाओं को पार्टी की विचारधारा से अवगत कराना और उन्हें संगठन से जोड़कर सशक्त बनाना था।

बैठक में कमलप्रीत अरोड़ा ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोकदल हमेशा से ही महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने बताया कि किस तरह महिलाएं संगठन के साथ मिलकर न केवल अपनी समस्याओं का समाधान कर सकती हैं, बल्कि समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

इस अवसर पर, जैन समाज की कई महिलाओं ने राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण की। सभी ने मिलकर चौधरी चरण सिंह जी की विचारधारा को आगे बढ़ाने और समाज में भाईचारा व समानता स्थापित करने का संकल्प लिया। मंजू जैन ने इस अभियान की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह बैठक दर्शाती है कि महिलाएं अब राजनीतिक रूप से जागरूक हो रही हैं और अपने भविष्य के लिए स्वयं निर्णय ले रही हैं।

यह सदस्यता अभियान राष्ट्रीय लोकदल की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसके तहत पार्टी जमीनी स्तर पर महिलाओं को संगठित कर उन्हें राजनीतिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाना चाहती है।

राजधानी दून में लग रहा अतिक्रमण का ग्रहण

देहरादून। राजधानी दून में सड़क–फुटपाथ पर पसरे अतिक्रमण से निजात नहीं मिल पा रही है। नगर निगम, पुलिस और प्रशासन समय–समय पर अतिक्रमण हटाने के नाम पर कार्रवाई का दावा तो करते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत उनके सारे दावों की पोल खोलती है। टीम के लौटते ही अतिक्रमणकारी फिर से सड़क और फुटपाथ पर कब्जा जमा लेते हैं। सड़कों और फुटपाथों पर पसरे अतिक्रमण ने शहर की सांसें घोंट दी हैं। पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ गायब हो गए हैं और सड़कें ठेली–रेहड़ियों व दुकानदारों के कब्जे में हैं। हालात यह हैं कि दून में जाम का सबसे बड़ा कारण अतिक्रमण ही बन चुका है। ना मुख्य मार्गों के फुटपाथ खाली हैं और नाहीं बाजारों में पैर रखने की जगह। अभियान के नाम पर सिस्टम की खानापूर्ति और आमजन की फजीहत भी बदस्तूर जारी है। न सिर्फ बाजार, बल्कि शहर की लगभग हर मुख्य सड़क अतिक्रमण से ग्रसित है। फुटपाथों पर मरम्मत वर्कशाप तक चल रहे हैं। कहीं होटल–ढाबे फुटपाथ पर ही चूल्हा–भट्टी जला देते हैं तो कहीं अस्थायी दुकानें स्थायी कब्जे का रूप ले चुकी हैं। घंटाघर से आइएसबीटी तक माडल रोड बनाने के सपने दिखाए गए थे, लेकिन सालों बाद भी हकीकत उलटी है। नतीजा, भीड़भाड़ के बीच पैदल चलना दूभर और वाहनों की आवाजाही थम–सी जाती है। महिलाओं और बुजुर्गों के हादसों का शिकार होने की आशंका लगातार बनी रहती है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469 / 79
फोन / फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com